संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 244
पृष्ठ 8
रविवार
25 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- गर्मी में त्वचा रहेगी ग्लोइंग और बेदाग..

विचार- नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता

खेल- इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट...

नीति आयोग की बैठक में क्या बोले प्रधानमंत्री-

केंद्र और राज्य टीम इंडिया की तरह करें काम

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि अगर केंद्र सरकार और राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। नीति आयोग की 10वीं शासी परिषद की बैठक में उन्होंने कहा कि विकास की गति बढ़ाने की जरूरत है। नीति आयोग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री के हवाले से कहा, 'हमें विकास की गति बढ़ानी होगी। अगर केंद्र और सभी राज्य मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।'

नीति आयोग का शीर्ष निकाय शासी परिषद की बैठक का विषय '2047 में विकसित भारत के लिए विकसित राज्य'

है। पीएम मोदी ने कहा, 'विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा तो भारत विकसित होगा। यह इसके 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है।' उन्होंने यह भी कहा कि राज्यों को अपने-अपने यहां सभी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के साथ वैश्विक मानकों के अनुरूप कम-से-कम एक पर्यटन गंतव्य विकसित करना चाहिए। एक राज्य एक वैश्विक गंतव्य का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ना चाहिए। इससे पर्यटन गंतव्य के रूप में आसपास के शहरों के विकास का रास्ता साफ होगा। 10वीं नीति आयोग गवर्निंग काउंसिल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए शहरों को तैयार करने की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।' नीति आयोग की शीर्ष इकाई शासी परिषद में सभी मुख्यमंत्री, केंद्रशासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों के खिलाफ चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद यह सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के साथ प्रधानमंत्री मोदी की पहली बड़ी बैठक है।

यूपी-उत्तराखंड समेत कई राज्यों में होगी बारिश, आंधी तूफान की भी चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में मॉनसून की एंट्री हो चुकी है। आमतौर पर एक जून को केरल पहुंचने वाला मॉनसून इस बार 24 मई को ही आ गया है। ऐसे में आने वाले दिनों में यह जल्दी ही अन्य राज्यों में दस्तक दे सकता है, लेकिन इस बीच यूपी-उत्तराखंड समेत देश के कई राज्यों में बारिश, आंधी तूफान की चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा, मौसम विभाग ने बताया है कि अगले सात दिनों तक केरल, कर्नाटक, तटीय महाराष्ट्र और गोवा में भारी से बहुत भारी बारिश होने वाली है। इसके अलावा, कर्नाटक में 24-27 मई, तमिलनाडु के घाट इलाकों में 25 और 26 मई को भारी बारिश का अलर्ट है। हालांकि, राजस्थान में 27, पंजाब, हरियाणा और जम्मू व कश्मीर में 26 जून तक कुछ इलाकों में हीटवेव चलने का अनुमान है। अगले 2-3 दिनों के दौरान मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, पूरे गोवा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों, कर्नाटक के कुछ और हिस्सों, तमिलनाडु के शेष हिस्सों, पश्चिम-मध्य और उत्तरी बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों, पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ और हिस्सों और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। वहीं, दक्षिण भारत की बात करें तो तटीय और साउथ इंटीरियर कर्नाटक में 24-27 मई, तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल में 24 और 27 मई को भारी से बहुत भारी बारिश होने वाली है। इसके अलावा, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम, रायलसीमा में 27 व 28

मई, लक्षद्वीप में 24 और 26 मई, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 24-30 मई, रायलसीमा में 26 व 27 मई, तेलंगाना में 24-28 मई के दौरान तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है। वहीं, गुजरात, मराठवाड़ा के इलाकों में भी 24-27 मई के दौरान बारिश, तेज हवाओं का अनुमान है। पूर्वोत्तर भारत की बात करें तो अगले सात दिनों तक आंधी तूफान, बिजली कड़कना जारी रहेगी।

राजसमंद में बस पलटने से तीन लोगों की मौत, 23 घायल

राजसमंद,एजेंसी। राजस्थान में राजसमंद जिले के कांकरोली थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह एक निजी बस पलटने से एक महिला सहित तीन लोगों की मौत हो गयी तथा 23 घायल हो गये। पुलिस के अनुसार अहमदाबाद से भीलवाडा जा रही यह निजी बस भावा बस स्टेण्ड पर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गयी। हादसे में एक महिला एवं दो पुरूष की मौके पर ही मौत हो गयी तथा अन्य 23 घायल हो गये। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी हंसाराम चौधरी ने मौके पर पहुंचकर सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस से राजसमंद के आर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों में एक भीलवाडा का रहने वाला है जबकि दो की शिनाख्त नहीं हुई है। मृतकों के शवों को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है।

बैंक धोखाधड़ी के मामलों में वांछित चंडोक को भारत लेकर आयी सीबीआई

नयी दिल्ली,एजेंसी। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को बैंक धोखाधड़ी के मामलों में लंबे समय से वांछित भगोड़े आरोपी अंगद सिंह चंडोक को प्रत्यर्पित कर भारत लाने में बड़ी सफलता मिली है। सूत्रों के अनुसार सीबीआई की एक टीम चंडोक को अमेरिका से लेकर शनिवार को यहां पहुंची। चंडोक अभी सीबीआई की हिरासत में है और अब उसे अदालत में पेश किया जायेगा। बैंकों में धोखाधड़ी और लोगों के साथ ठगी के आरोपी चंडोक ने यहां से भागकर अमेरिका में शरण ली थी। रिपोर्टों के अनुसार चंडोक ने अमेरिका में भी अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन ठगी गिरोह के साथ मिलकर अमेरिकी नागरिकों के साथ ठगी की। उस पर फर्जी कंपनियों के माध्यम से विदेशों में अवैध तरीके से भेजने के भी आरोप है। अमेरिकी जांच एजेन्सियों ने उसके खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था और जांच के बाद वहां की अदालत ने उसे छह वर्ष की सजा सुनाई थी। सीबीआई चंडोक को भारत लाने के लिए काफी समय से अमेरिकी एजेन्सियों के साथ तालमेल कर रही थी । आखिरकार सीबीआई को इसमें सफलता मिली है। चंडोक के प्रत्यर्पण से साइबर अपराध् के कुछ मामलों में भी सुराग मिलने की संभावना है।

साय ने नीति आयोग से नक्सलवाद के अंत व नई औद्योगिक नीति पर प्राथमिकताएं कीं स्पष्ट

नयी दिल्ली/रायपुर,एजेंसी। छत्तीसगढ़ के विकास रोडमैप के साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शनिवार को नीति आयोग की बैठक में शामिल हुए। नयी दिल्ली में स्थित 'भारत मंडपम' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक में शामिल होने से पहले श्री साय ने राज्य के विकास रोडमैप, नक्सलवाद के अंत तथा नई औद्योगिक नीति को लेकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कीं। दिल्ली रवाना होने से पहले श्री साय ने बातचीत में कहा कि वह इस महत्वपूर्ण बैठक में छत्तीसगढ़ की भावी विकास योजनाओं और राज्य के दृष्टिकोण को नीति आयोग के समक्ष रखेंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के प्रधानमंत्री के लक्ष्य के अनुरूप, हमारा उद्देश्य 'विकसित छत्तीसगढ़' की दिशा में ठोस कदम बढ़ाना है।

ममता नीति आयोग की महत्वपूर्ण बैठक में नहीं होंगी शामिल

कोलकाता, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में नीति आयोग की बैठक में माइक्रोफोन विवाद के करीब एक साल बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगी, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों को संबोधित करेंगे। सूत्रों ने बताया कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और कर्नाटक के सिद्दारमैया ने भी बैठक में शामिल नहीं होने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री के बैठक में शामिल न होने के फैसले के लिए हालांकि कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है, लेकिन सूत्रों से पता चला है कि पिछले साल नीति आयोग की बैठक में उनका कड़वा अनुभव इस महत्वपूर्ण बैठक में उनकी अनुपस्थिति का एक प्रमुख कारण हो सकता है।

पाक पर मश्वस्को में गरजे भारतीय सांसद

परमाणु हथियारों की धमकी बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

मास्को,एजेंसी। रूस की यात्रा पर पहुंची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (DMK) सांसद कनिमोझी के नेतृत्व में भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने रूसी नेतृत्व के समक्ष आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति दोहराई है और इस बात पर जोर दिया है कि भारत किसी भी परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त नहीं करेगा। मॉस्को में शुक्रवार को अपनी बैठकों के दौरान, दोनों पक्षों ने आतंकवाद विरोधी उपायों को मजबूत करने और सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद को खत्म करने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। मास्को में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संसद के दोनों सदनों के अलावा थिंक टैंकों सहित कई बैठकें कीं।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल की यह यात्रा वैश्विक आतंकवाद विरोधी ढांचे को मजबूत करने और बहुध्रुवीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के भारत के लंबे समय से चले आ रहे प्रयास को गति प्रदान करने के उद्देश्य से हो रही है। प्रतिनिधिमंडल ने फेडरेशन काउंसिल की अंतरराष्ट्रीय मामलों

की समिति के प्रथम उपाध्यक्ष एंड्री डेनिसोव और अन्य सीनेटरों के साथ बातचीत की। बातचीत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में कानूनी स्तर पर एकमत कायम करने पर केंद्रित थी। भारतीय पक्ष ने आतंकवाद के खिलाफ देश की लड़ाई में प्रतिक्रिया के रूप में ऑपरेशन सिंदूर की ओर ध्यान आकर्षित किया। बाद में, भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने स्टेट ड्यूमा की अंतरराष्ट्रीय मामलों की समिति के अध्यक्ष लियोनिद स्लटस्की के साथ बैठक की और स्टेट ड्यूमा के सदस्यों के साथ बातचीत की। दोनों पक्षों ने भारत-रूस संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और समय की कसौटी पर खरे साबित होने की प्रकृति की पुष्टि की, जो आपसी विश्वास और सम्मान पर आधारित है। चर्चाओं में वैश्विक सुरक्षा वास्तुकला, उभरते भू-राजनीतिक परिदृश्य और बहुपक्षीय सहयोग सहित कई मुद्दों को शामिल किया गया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने आतंकवाद के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की अनिवार्यता को रेखांकित किया, जिसमें आतंकवादी संस्थाओं को सुरक्षित पनाहगाह, वित्तपोषण और राजनीतिक औचित्य से वंचित करने के लिए विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय तंत्र की आवश्यकता शामिल है। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने रूसी संघ के उप विदेश मंत्री एंड्री रुडेंको से मुलाकात की और बहुध्रुवीय और अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के लिए साझा प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर व्यापक चर्चा की।प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री मिखाइल फ्रैदकोव के साथ भी एक व्यावहारिक बातचीत की जो रूसी सामरिक अध्ययन संस्थान (आरआईएसएस) के प्रमुख हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कट्टरपंथ के मार्गों, आतंकवादी समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले गलत सूचना तंत्र और क्षेत्रीय शांति को कमजोर करने वाले देशों द्वारा प्रायोजित प्रचार पर विस्तृत चर्चा की। दोनों पक्षों ने बहुलवाद, संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानून में निहित कथात्मक ढांचे की अनिवार्यता पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने आतंकवाद के अंतरराष्ट्रीय संबंधों से संबंधित संयुक्त विश्लेषणात्मक कार्य के लिए थिंक टैंक के साथ घनिष्ठ सहयोग पर सहमति व्यक्त की।

ये उच्च स्तरीय बातचीत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग बढ़ाने, वैश्विक स्थिरता को बढ़ावा देने और अपनी विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझीदारी को और मजबूत करने के लिए भारत और रूस की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

विकसित भारत समीक्षा बैठक ध्यान भटकाने का एक और प्रयास- कांग्रेस

नयी दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में शनिवार को नीति आयोग की शासी परिषद की विकसित भारत लक्ष्य प्रगति को लेकर हो रही बैठक तब औचित्यहीन हो जाती है जब खुद सरकार सामाजिक ताना बाना तोड़ने और संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद करने में लगी हो। पार्टी ने बैठक को ध्यान भटकाने का एक और प्रयास बताया है।

कांग्रेस ने नीति आयोग को अब तक की सबसे अयोग्य बॉडी बताया और कहा कि आज हो रही विकसित भारत लक्ष्य समीक्षा प्रगति बैठक भी एक बार फिर सरकार की पाखंड करने और ध्यान भटकाने की कोशिश ही है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने यहां जारी एक बयान में कहा, "शासी परिषद की बैठक हो रही है। कहा गया है कि इसमें तथाकथित 'विकसित भारत' लक्ष्य की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। जब सत्ता में बैठे लोग अपने ही शब्दों और कर्मों से सामाजिक सौहार्द के ताने-बाने को तोड़ने में लगे हों तो कैसा विकसित भारत होगा।"उन्होंने भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा, "जब संसद, न्यायपालिका, विश्वविद्यालयों, मीडिया और संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता को सत्ता की सुविधा के अनुसार कुचला जा रहा हो तो कैसा विकसित भारत होगा। भारत जिन मूल्यों और आदर्शों के लिए जाना जाता रहा है, उन पर अंतरराष्ट्रीय मंचों के सामने ही योजनाबद्ध हमला किया जा रहा हो तो कैसा विकसित भारत होगा। जब देश की आर्थिक विषमता लगातार बढ़ रही हो और संपत्ति कुछ गिने-चुने लोगों के हाथों में सिमटती जा रही हो तो यह कैसा विकसित भारत होगा।"श्री रमेश ने कहा कि अगर भारत की शानदार विविधताओं का जानबूझकर अपमान किया जाए और उन्हें मिटाया जाए तो कैसा विकसित भारत होगा। ये कैसा विकसित भारत हैं जहां केवल अभिव्यक्ति की आजादी ही नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति के बाद की स्वतंत्रता भी खतरे में है।

नीति आयोग के समक्ष दिल्लीवालों की महत्वकांक्षाओं को रखेंगे- रेखा गुप्ता

नयी दिल्ली,एजेंसी।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि आज हम नीति आयोग के सामने दिल्ली के विकास के लिए दिल्लीवालों की महत्वकांक्षाओं और अपेक्षाओं को रखेंगे। श्रीमती रेखा गुप्ता ने एक्स पर कहा आज वर्षों बाद नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक में हम दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने जा रहे हैं। पिछली गैरजिम्मेदार सरकारों के आचरण के कारण दिल्ली के अधिकार की बात आयोग की बैठक में रखी नहीं जा रही थी लेकिन अब डबल इंजन की सरकार पटरी पर है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस महत्वपूर्ण बैठक में हम विकसित भारत के लिए विकसित दिल्ली का अपना रोडमैप देश के सभी प्रदेशों के मुखियाओं के समक्ष पेश करेंगे। आज हम नीति आयोग के सामने दिल्ली के विकास के लिए दिल्लीवालों की महत्वकांक्षाओं और अपेक्षाओं को भी रखेंगे। हम विकसित दिल्ली के लिए संकल्पबद्ध हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को यहाँ नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता करेंगे।

देश में लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में एक बार फिर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। केरल से लेकर मुंबई और दिल्ली तक बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित मिले चुके हैं। इसे लेकर सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के अस्पतालों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों को कहा गया है कि वे बेड और ऑक्सीजन का पर्याप्त इंतजाम कर लें। दिल्ली में अब तक 23 केस मिल चुके हैं। हालांकि सभी मामले गंभीर हैं। आइए 10 प्वाइंट में समझते हैं कोरोना का खतरा कैसे बढ़ रहा है? दक्षिण एशिया में कोविड के मामलों में उछाल ओमिक्रॉन JN-1 वैरिएंट के प्रसार के कारण आया है। डॉक्टर बता रहे हैं कि वैरिएंट काफी है सक्रिय है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे चिंताजनक वैरिएंट घोषित नहीं किया है। मौजूदा कोविड मरीजों में आमतौर पर हल्के लक्षण आ रहे हैं। संक्रमित व्यक्ति चार दिन में ठीक हो जाता है।

जस्टिस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस नागरत्ना बनेंगी कॉलेजियम की सदस्य

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत की पहली महिला मुख्य न्यायाधीश बनने की दौड़ में शामिल न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना का न्यायमूर्ति अभय एस ओका की सेवानिवृत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम का सदस्य बनना तय हो गया है। देश की पांचवीं सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश होने के नाते, न्यायमूर्ति नागरत्ना 25 मई को आधिकारिक रूप से कॉलेजियम में शामिल हो जाएंगी। वे 29 अक्टूबर, 2027 को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त होने तक कॉलेजियम में शामिल रहेंगी। कॉलेजियम के सदस्यों में अब मुख्य न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति नागरत्ना का नाम होगा। सर्वोच्च न्यायालय के सूत्रों के अनुसार, मुख्य न्यायाधीश गवई सोमवार को शीर्ष न्यायालय में रिक्तियों पर चर्चा करने और कई उच्च न्यायालयों में महत्वपूर्ण नियुक्तियां करने के लिए अपनी पहली कॉलेजियम बैठक बुला सकते हैं। न्यायमूर्ति ओका की सेवानिवृत्ति के बाद शीर्ष अदालत में तीन न्यायाधीशों का पद रिक्त हो जाएगा। कॉलेजियम प्रणाली सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद 1993 में अस्तित्व में आई।

इस प्रणाली के तहत सर्वोच्च न्यायालय के पांच शीर्ष न्यायाधीश सुप्रीम कोर्ट और 25 उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति, स्थानांतरण और पदोन्नति की सिफारिश करते हैं। इस व्यवस्था के तहत सरकार कॉलेजियम को उसकी आरे से की गई सिफारिश लौटा सकती है। कॉलेजियम की ओर से दोबारा सिफारिश दोहराए जाने पर सरकार आमतौर पर सिफारिश स्वीकार कर लेती है। लेकिन ऐसे मामले भी आए हैं जब सरकार ने फाइल को फिर से लौटा दिया है या सिफारिशों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। 30 अक्टूबर 1962 को जन्मी न्यायमूर्ति नागरत्ना पूर्व मुख्य न्यायाधीश ईएस वेंकटरमैया की पुत्री हैं।

विशेष सचिव खाद्य ने अफसरों संग जाना योजनाओं का हाल

प्रयागराज। विशेष सचिव खाद्य अतुल कुमार शनिवार सुबह प्रयागराज पहुंचे। यहां पर सर्किट हाउस में अफसरों के साथ बैठक कर जिले की परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली।

सीडीओ हर्षिका सिंह से गेहूं क्रय केंद्रों के बारे में जानकारी ली। पूछा कि अब तक लक्ष्य के सापेक्षा कितनी खरीद हो चुकी है। सीडीओ ने बताया कि प्रयागराज जिले में लक्ष्य के सापेक्ष लगभग 50 फीसदी खरीद कर ली गई है। विशेष सचिव ने इसे और बढ़ाने के लिए कहा। वहीं जीरो पावर्टी योजना के तहत नए राशन कार्ड और अंत्योदय कार्ड की योजना की भी समीक्षा की।

शांत स्वभाव का था निकेश

प्रयागराज। निकेश एमएनएनआईटीकैंपस से लेकर हॉस्टल तक निकेश के आत्महत्या की घटना को लेकर छात्रों के बीच चचाएं देखने को मिली। कुछ छात्रों ने कहा कि निकेश शांत स्वभाग का था। वह कम बात करता था। गुरुवार को निकेश के परीक्षा का आखिरी दिन था। इसलिए बुधवार शाम निकेश भी घर जाने के लिए कपड़ा पैक कर लिया था। गुरुवार सुबह साढ़े नौ से 12 बजे के मध्य परीक्षा थी। हॉस्टल के कमरे में दो अन्य साथियों के साथ रहता था। दोनों छात्र इसी के ब्रांच के थे। वह परीक्षा देने निकल गए थे। लेकिन निकेश परीक्षा देने नहीं गया। सुबह साढ़े नौ से 12 बजे के बीच फांसी लगाकर जान दे दी।

हथिगहां में आवास योजना 'टिकरी प्रयागराज के लिए गजट जारी

प्रयागराज। गंगापार के हथिगहां में वृहद आवास योजना बनाने के लिए और एक कदम आगे बढ़ गई। शासन ने स्वीकृति देने के बाद आवास योजना के लिए जमीन अधिग्रहण करने का गजट जारी किया है। प्रदेश के आवास आयुक्त डॉ. बलकार सिंह ने पांच मई को आवास योजना का गजट जारी किया। गजट में आवास योजना का नाम 'टिकरी प्रयागारज रखा गया है। आवास योजना के लिए टिकरी और अन्य पांच गावों की जमीन अधिग्रहण करने की योजना है। गजट में प्रस्तावित आवास

योजना के लिए हथिगहां, मोहम्मदपुर हथिगां, कासिमपुर जुड़ा उर्फ मूसेपुर, अकबरपुर उर्फ गंगागंज, दुबरा जगदीशपुर और घरबंदपुर गावों के किसानों की जमीन अधिग्रहण करने की योजना है। टिकरी प्रयागराज के लिए चिह्नित भूखंडों का खसरा संख्या का भी गजट में जिक्र है। आवास विकास परिसद ढाई दशक बाद प्रयागराज में 761 एकड़ जमीन पर टिकरी प्रयागराज का निर्माण करेगा। आवास योजना में एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी और ईडब्ल्यूएस के फ्लैट और भूखंड उपलब्ध होंगे। आवास विकास परिषद के अधीक्षण अभियंता मोहम्मद हाशिम इकबाल ने बताया कि आवास आयुक्त की ओर से जारी गजट को विज्ञापित कर आपत्ति मांगी जाएगी। आपत्तियों की सुनवाई के बाद विभिन्न धाराओं के तहत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी।

एससी वर्ग के दिव्यांग कोटे से निकेश मिला था बीटेक में दाखिला

प्रयागराज। छत्तीसगढ़ के सेनेरिया जांजगीर निवासी निकेश कुमार रोहिदास को मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) के कप्यूटर साइंस (सीएस) ब्रांच में अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के दिव्यांग कोटे के तहत पिछले साल प्रवेश मिला था। निकेश के दाहिने हाथ की उंगलियां छोटी थी, साथ ही दाहिना हाथ काम भी कम करता था। निकेश गुरुवार को विवेकानंद हॉस्टल के कमरा संख्या 101 में फांसी लगाकर जान दे दी। इससे हॉस्टल में सन्नाटा पसरा रहा।सूचना पाकर पिता अमृत लाल, फूफा देवेश और मामा ओमकार शुक्रवार की सुबह तकरीबन साढ़े सात बजे एमएनएनआईटी के हॉस्टल पहुंचे। वहां पर निदेशक प्रो. आरएस वर्मा, चीफ वार्डेन प्रो. नरेश कुमार, रजिस्ट्रार प्रो. रमेश कुमार के साथ मुलाकात की। चीफ वार्डेन प्रो. नरेश कुमार ने बताया कि तकरीबन आधे घंटे तक निदेशक ने परिजनों ने बातचीत की। इस दौरान उन्होंने परिजनों को हर संभव मदद करने की बात कही। इसके बाद चीफ वार्डेन भी परिजनों के संग पीएम हाउस पहुंचे। पोस्टमार्टम होने के बाद करीब तीन बजे परिजनों ने निकेश का शव लेकर घर के लिए रवाना हो गए। संस्थान में चर्चा थी कि निकेश के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में अंक कम थे। वह गणित विषय में फेल हो गया था। लेकिन वह पूरक परीक्षा (सप्लीमेंटरी) देकर फेल विषय में पास हो सकता था।

अंधेरे में 250 असिस्टेंट प्रोफेसर का भविष्य

प्रयागराज। प्रदेश के 71 महाविद्यालयों को राजकीय महाविद्यालय के रूप में चलाने के लिए 22 मई को जारी पद सृजन संबंधित शासनादेश से तकरीबन 250 असिस्टेंट प्रोफेसर का भविष्य में अंधेरे में पड़ता नजर आ रहा है। इन 71 महाविद्यालयों में से तकरीबन 17 महाविद्यालय विभिन्न विश्वविद्यालयों के संघटक कॉलेजों के रूप में संचालित हैं। इनमे से कुछ महाविद्यालयों को संघटक के रूप में चलते हुए लगभग तीन वर्ष होने को हैं। बरेली विश्वविद्यालय, कानपुर विश्वविद्यालय, अवध विश्वविद्यालय तथा मेरठ विश्वविद्यालय से संबंधित संघटक महाविद्यालयों में तक़रीबन 250 के आसपास असिस्टेंट प्रोफेसर और प्राचार्य कार्यरत हैं जिन्हें संबंधित विश्वविद्यालयों की ओर से भर्ती किया गया था। पदसृजन का आदेश जारी होने के बाद पूर्व से कार्यरत इन 250 असिस्टेंट प्रोफेसरों के भविष्य का क्या होगा इस पर न तो सरकार और न ही संबंधित विश्वविद्यालयों के स्तर से कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

चौराहों के रेड सिग्नल पर पसीना छोड़ रहे राहगीर

प्रयागराज। आसमान से आग बरस रही है। गर्म हवाओं के थपेड़ों ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया है। सुबह दस बजे के बाद यह हालत हो जाती है कि चौराहों पर रेड सिग्नल के समय लोगों को तेज धूप में एक मिनट रुकना भी भारी पड़ रहा है। जरूरी काम से निकले लोग रेड सिग्नल होने पर झुंझलाए रहते हैं और जरा सी बात पर आपा खो रहे हैं। स्कूल–कॉलेज से निकले बच्चों को तेज धूप में एक मिनट रुकना सजा से कम नहीं लगता। शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर छाया की व्यवस्था (ग्रीन शेड) नहीं है। जो आम लोगों पर भारी पड़ रहा है।

शहर के विभिन्न चौराहों पर ग्रीन सिग्नल का इंतजार कर लोगों से उनकी परेशानी जानने पर लोगों ने एकसुर में कहा, इस भीषण गर्मी में सभी प्रमुख चौराहों पर ग्रीन शेड की जरूरत है। आधी गर्मी लगभग बीत चुकी है और नगर निगम अभी तक चौराहों पर शेड नहीं लगवा सका है। कड़ी धूप में चौराहों पर रेड सिग्नल भारी पड़ रहा है। एक मिनट रुकने में लोगों के पसीने छूट रहे हैं। गर्मी के कारण लोग चक्कर खा रहे हैं। चौराहों पर न तो पहले की भांति पेड़ हैं न ही धूप से बचाव के लिए ग्रीन शेड का इंतजाम किया गया है। भीषण गर्मी में धूप से झल्लाए लोग ग्रीन सिग्नल होने का इंतजार करते रहते हैं। ग्रीन सिग्नल होते ही तेजी से चौराहे से निकलने का प्रयास करते हैं। इससे दुर्घटनाएं भी हो रही हैं। धूप में कुछ देर खड़े होने पर लोग इस कदर झल्ला जाते हैं कि मामूली बात पर नियंत्रण खो रहे हैं। पहले निकलने और वाहन आपस में छू जाने पर विवाद हो रहा है। हेलमेट, गमछा, चश्मा, तौलिया और टोपी जैसे उपाय भी चौराहे पर धूप में रुके लोगों को राहत नहीं दे पा रहे हैं। नगर निगम ने शहर के धोबी घाट और महाराणा प्रताप चौराहे पर पिछले दिनों ग्रीन शेड का इंतजाम किया, लेकिन अन्य प्रमुख चौराहों पर शेड लगाना जरूरी नहीं समझा, जिससे हजारों की संख्या में लोग रोजाना परेशान हो रहे हैं। हिन्दु हॉस्टल चौराहा, लोक सेवा आयोग, ट्रैफिक चौराहा, एकलव्य चौराहा, मधवापुर चौराहा, मेडिकल सहित तमाम चौराहे शेड लगने का इंतजार कर रहे हैं। नगर निगम के जिम्मेदार आम जनता की परेशानियों से बेफिक्र हैं। लोगों का कहना है कि होली के बाद धूप में तेजी आने लगती है और उसी दौरान यह इंतजाम शुरू हो जाने चाहिए। अब आधी गर्मी बीतने को है और निगम अभी मात्र दो–तीन चौराहों पर शेड लगवा पाया है। पेड़ होते तो न होती इतनी समस्या वह दिन हवा हुए जब चौराहे और सड़कें घने पेड़ों की छांव से ढकीं रहती थीं। सड़कें चौड़ी होती गईं और पेड़ कटते चल गए। अब चौड़ी सड़कें और विशाल चौराहे धूप में तपते रहते हैं। तारकोल की सड़कें आग उगलती रहती हैं। लोगों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण के लिए अगर पेड़ों को न काटा गया होता तो यह समस्या न होती। लोगों का कहना है कि पुराने जमाने में भी राहगीरों की सुविधा के लिए सड़क के किनारे पेड़ लगाए जाते थे, लोगों के विश्राम के लिए धर्मशाला और सराय की व्यवस्था की जाती थी। मुसाफिरों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था होती थी। अब स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर की हरियाली तो छीन ली गई और ग्रीन शेड जैसी व्यवस्था में घोर कोताही बरती जा रही है। हालात यह हैं कि प्रमुख चौराहों पर प्याऊ तक की व्यवस्था नहीं है। स्कूली बच्चों की सेहत पर भारी स्कूल–कॉलेजों का नया सत्र शुरू हो चुका है और दोपहर में स्कूलों की छुट्टी होती है। साइकिल और दो पहिया वाहनों से अभिभावकों के साथ आने–जाने वाले बच्चे स्कूल छूटने पर चौराहे पर रेड सिग्नल के कारण धूप में झुलसते रहते हैं। अधिकांश बच्चों की पानी की बोतलें भी खाली हो चुकी होती हैं। बच्चे वाहनों की भीड़ में फंसे रहते हैं। भीषण गर्मी में धूप उनकी उनकी सेहत पर भारी पड़ रही है। एक लाख बाइक और हजारों साइकिल सवारों की है परेशानी छाया विहीन चौराहों पर तिपहिया और चार पहिया वाहनों पर सवार लोग तो धूप से बचे रहते हैं, लेकिन बाइक और साइकिल सवार लोगों को धूप में कुछ देर रुकना सजा से कम नहीं है। शहर में करीब सवा लाख बाइक चालक और हजारों की संख्या में साइकिल सवार लोगों को रोजाना इस गंभीर समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। तमाम बाइक पर बच्चे भी बैठे रहते हैं। तेज धूप में बच्चे भी कुम्हलाते रहते हैं। साइकिल सवार भी पसीना पोंछते नजर आते हैं। लगभग हर चौराहे पर यह देखने को मिल जाता है। हमारी भी सुनें लोग तेज धूप में लाल बत्ती होने पर परेशान रहते हैं। शहर के सभी प्रमुख चौराहों पर छाया की व्यवस्था होनी चाहिए। ग्रीन शेड लग जाए तो दुपहिया चालकों और साइकिल सवार लोगों को काफी राहत मिले। – विनोद कुमार चौराहों पर रेड सिग्नल होते ही रुकना जरूरी होता है, न रुके तो चालान कट जाता है। धूप असहनीय है, ऐसे में एक मिनट भी रुकना भारी पड़ता है। इसलिए नगर निगम को हर चौराहे पर छाया की व्यवस्था करनी चाहिए। – सूर्यांश जिन चौराहों पर शेड लगे हैं वहां लाल बत्ती होने पर लोगों को काफी राहत रहती है, लेकिन शहर के सभी चौराहों पर यह व्यवस्था होनी चाहिए। नगर निगम के अधिकारी लोगों की समस्या से अनजान बने हुए हैं। – सुनील गुप्ता पहले चौराहे के आसपास पेड़ होते थे जिनकी छांव में लोग रुक कर राहत महसूस करते थे, अब पेड़ नहीं हैं। नगर निगम छाया की भी व्यवस्था नहीं कर रहा है। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। – संदीप मिश्र चौराहे पर लाल बत्ती होने पर दस सेकेंड रुकना भी भारी पड़ता है। एक मिनट में तो हालत पस्त हो जाती है। परेशान लोगों की निगाह सिग्नल के टाइम पर रहती है। शेड लगे होते तो यह परेशानी न होती। –मो. गुलफाम तेज धूप में एक मिनट रुकने पर लोग पसीने से तरबतर हो जाते हैं। गड़ी धूप के कारण चक्कर आने लगता है। इस गंभीर समस्या पर जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। अगर सभी चौराहों पर छाया की व्यवस्था होनी चाहिए। – एनवी लारेंज इन दिनों दोपहर में आसमान से आग बरस रही है। धूप में एक मिनट भी रुकना काफी कष्टदायी हो गया है। अगर ग्रीन सिग्नल में जरा सी भी देरी हो जाती है तो लोग का धैर्य जवाब देने लगता है। –प्रिंस लोग धूप में चौराहों पर परेशान रहते हैं और नगर निगम लोगों की परेशानियों से अनजान बना हुआ है। अब तक सभी प्रमुख चौराहों पर ग्रीन शेड लग जाने चाहिए थे, लेकिन मात्र दो–तीन चौराहों पर ही शेड लगा है। – सुनील सिंह जिस प्रकार धोबी घाट चौराहे पर ग्रीन शेड लगाया गया है उसी तरह सभी मुख्य चौराहों पर व्यवस्था होनी चाहिए। नगर निगम के जिम्मेदारों को यह खुद समझना चाहिए। चौराहों पर प्याऊ की भी व्यवस्था होनी चाहिए। – विनय स्कूल से छूटते हैं तो थके रहते हैं और गर्मी से परेशान रहते हैं। ऐसे में धूप में चौराहे पर रुकना काफी तकलीफ देता है। अगर चौराहों पर ग्रीन शेड लग जाए तो काफी राहत मिल सकेगी। – कृष्णा तिवारी चौराहे पर धूप में खड़े रहना हम साइकिल सवार बच्चों और बाइक वालों के लिए तकलीफदेह होता है। धूप इतनी तेज रहती है कि एक मिनट में हालत खराब हो जाती है, शेड लगना जरूरी है। – वंश कुमार दोपहर में स्कूल की छुट्टी होने पर घर पहुंचने की जल्दी रहती है। चौराहे पर रुकना मुसीबत से कम नहीं लगता। शेड लगा होता और छाया होती तो इतनी परेशानी का सामना न करना पड़ता। – आयुष यह सिर्फ हमारी समस्या नहीं है, चौराहों पर शेड न होने की समस्या से पूरा शहर परेशान है। लोग धूप में ग्रीन सिग्नल होने का इंतजार करते रहते हैं। शेड न होने से स्कूली बच्चों को काफी परेशानी होती है। – धर्मेंद्र यादव पहले चौराहों पर पेड़ की छांव रहती थी। अब छांव नसीब नहीं होती। चौराहों पर शेड लग जाए तो राहत मिले। समस्या का निदान जरूरी है। आला अफसरों को इस समस्या पर संज्ञान लेना चाहिए। –विकास समस्या गंभीर है और नगर निगम के जिम्मेदार इससे अनजान बने हुए हैं। अगर अधिकारी संवेदनशील होते तो लोगों को इस प्रकार तेज धूप में परेशान न होना पड़ता। अधिकारी चाह लें तो समस्या ही न रहे। – दीपक वर्मा लोग भीषण गर्मी में जरूरी होने पर ही निकलते हैं। ऐसे में चौराहों पर कुछ देर रुकना लोगों को काफी परेशानी देता है। अगर चौराहों पर शेड लगे होते तो लोगों को इस तरह परेशान न होना पड़ता। – कन्हैया घोबी घाट और महाराणा प्रताप चौराहे पर शेड लगे, लेकिन बाकी के चौराहों पर शेड की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। क्या गर्मी बीत जाने के बाद शेड लगेंगे। लोग परेशान हैं, आखिर जिम्मेदार कर क्या रहे हैं। – अभिषेक चौराहे बड़े हो गए, लेकिन छांव नदारद हो गई है। लोग लाल बत्ती देखकर चौराहे से दूर ही पेड़ के नीचे जगह तलाशने लगते हैं। शेड लगा होता तो लोगों को परेशान न होना पड़ता। – मनोज सिंह लोग धूप में चौराहों परे खुले आसमान के नीचे परेशान सिग्नल ग्रीन होने का इंतजार करते हैं। शेड न होने से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ती है। चौराहों पर शेड लगना जरूरी है। –विनय यादव

अब राजकीय महाविद्यालयों में 1,698 असिस्टेंट प्रोफेसर की होगी भर्ती

प्रयागराज। नवनिर्मित 71 राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर समेत अन्य पदों पर मंजूरी के बाद नई भर्ती में पदों की संख्या बढ़ गई है। उच्च शिक्षा निदेशालय ने पहले 23 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 562 पदों पर चयन के लिए रिक्त पदों की सूचना उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेजी थी। अब 71 नए राजकीय महाविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 16–16 (आठ कला, पांच विज्ञान, दो वाणिज्य और एक प्रवक्ता लाइब्रेरी) कुल 1,136 पदों की मंजूरी मिलने के बाद इनका अधियाचन भी आयोग को भेजा जाएगा। उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. अमित भारद्वाज का कहना है कि अगले सप्ताह इन 1136 पदों की सूचना भी आयोग को ऑनलाइन भेज दी जाएगी ताकि इन्हें नई भर्ती में शामिल कर लिया जाए। इस प्रकार नई भर्ती में पदों की संख्या बढ़कर 1,698 हो जाएगी। वैसे तो 71 महाविद्यालय निर्माणाधीन है लेकिन इनमें से दो महाविद्यालय जमालपुर मिर्जापुर और राठ हमीरपुर का निर्माण कार्य समय से पूरा होना संभव नहीं दिख रहा। ऐसे में एक जुलाई से 69 महाविद्यालयों में पठन–पाठन शुरू करने की तैयारी है। इन महाविद्यालयों में प्राचार्य के 71 पदों को पदोन्नति से भरा जाएगा।

ट्रेन में सोने की चेन और मोबाइल उड़ाया

प्रयागराज। चोरों ने एक ट्रेन में महिला का पर्स गायब कर दिया। पर्स में सोने की चेन, मोबाइल और कीमती सामान था। प्रयागराज जीआरपी मुकदमा दर्ज करके जांच कर रही है। आंध्रप्रदेश निवासी 76 वर्षीय एक श्रीनिवास ने पुलिस को बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ धनबाद कोयंबटूर एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे। पंडित दीन दयाल स्टेशन के आगे ट्रेन चली। इस दौरान किसी ने उनकी पत्नी का पर्स गायब कर दिया। पर्स में 60हजार रुपये कीमती सामान था। सोने की चेन, मोबाइल, आधार कार्ड और 15 हजार रुपये कैश रखा था।

आवेदन से नाम और जेंडर की सुधारी गलती

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित हो रही परास्नातक प्रवेश परीक्षा (पीजीएटी)–2025 के आवेदन में संशोधन की प्रक्रिया शुक्रवार को पूरी हो गई। आवेदन में बड़ी संख्या में छात्रों ने नाम और जेंडर की जानकारी में गलतियां की थीं, जिनको 22 और 23 मई को मिले मौके में सुधारा गया है। इस वर्ष पीजीएटी के अंतर्गत 61 पाठ्यक्रमों की लगभग आठ हजार सीटों के लिए 32,867 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। पीजीएटी का आयोजन 10, 11, 12 और 13 जून को होगा।

नगर निगम कार्यकारिणी को मिलेंगे नए उपाध्यक्ष, छह सदस्य

प्रयागराज। दो जून को नगर निगम कार्यकारिणी को छह नए छह सदस्य मिलेंगे। छह कार्यकारिणी सदस्य तय होने के बाद नए उपाध्यक्ष का भी चुनाव भी होगा। सचिव परिषद पीके द्विवेदी के अनुसार दो चुनाव को नगर निगम के नए भवन में सुबह 11 से 13 बजे कार्यकारिणी सदस्य प्रत्याशी के नामों का प्रस्ताव रखा जाएगा। दोपहर 12 से 12.30 बजे तक नाम वापसी होगी। दोपहर 12.30 से 1.30 बजे तक मतपत्र की तैयारी की जाएगी। दोपहर 1.30 बजे से शाम 5.00 बजे तक मतदान और उसके बाद वोटों की गणना होगी। नगर निगम कार्यकारिणी में 12 सदस्य हैं। इनमें छह सदस्य दो साल से सदस्य हैं। इन्हीं सदस्यों का कार्यकार समाप्त हो रहा है। कार्यकारिणी उपाध्यक्ष सुनीता दरबारी का भी कार्यकाल समाप्त हो रहा है। नई कार्यकारिणी के 12 सदस्य नए उपाध्यक्ष का चुनाव करेंगे।

अब 15 जून को होगी विभागीय भर्ती परीक्षा

प्रयागराज। जूनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट/लोअर डिविजन क्लर्क 2024, सीनियर सेक्रेटेरिएट असिस्टेंट/अपर डिविजन क्लर्क 2024, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर 2022–24 भर्ती की विभागीय परीक्षा अब 15 जून को होगी। कर्मचारी चयन आयोग की ओर से नौ जून को जारी कैलेंडर में यह परीक्षा आठ जून को कराने की बात लिखी थी लेकिन शुक्रवार को जारी संशोधित विज्ञप्ति में अब कंप्यूटर आधारित तीनों विभागीय परीक्षा 15 जून को प्रस्तावित की गई है। वहीं दूसरी ओर सेलेक्शन पोस्ट एग्जामिनेशन फेज– ग्प्प् 2025 के लिए दो से 23 जून तक आवेदन संभावित हैं और कंप्यूटर आधारित परीक्षा 24 जुलाई से चार अगस्त तक होगी।

संध्या, जाह्नवी व वन ने मेरिट में बनाया स्थान

प्रयागराज। भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्नातक भौतिकी परीक्षा (एनजीपीई) में ईसीसी के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया है। संध्या मिश्रा ने सर्वोत्तम अंक प्राप्त करके राज्य स्तर के मेरिट में स्थान प्राप्त किया है। जाह्नवी यादव, वन पटेल ने भी राज्यस्तर मेरिट में जगह बनाई है। इसके अलावा सेंटर टॉपर्स को भी सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। प्रो. अशोक पाठक ने सभी से भौतिकी में उच्च स्तरीय शोध कार्य करने का सुझाव दिया। डॉ. प्रेम प्रकाश सिंह ने बताया कि राज्य स्तरीय मेरिट में आये विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में इंटर्नशिप करने एवं राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यशालाओं में प्रतिभाग करने का मौका मिलेगा।

गर्मियों में होने वाली मौत का होगा सर्वे

प्रयागराज। संगमनगरी में होने वाली मौतों का डेटाबेस तैयार होगा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गर्मी और सामान्य दिनों में होने वाली मौतों का तुलनात्मक अध्ययन करेगा। डेटाबेस के आधार पर राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण देखना चाहता है कि मई, जून और जुलाई में कितनी मौतें होती हैं। इनके अलावा गर्मी के मौसम में शहर के तापमान का भी आंकड़ा लिया जाएगा। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण प्रदेश के प्रयागराज, लखनऊ, आगरा और झांसी में गर्मी से निपटने के लिए कार्ययोजना तैयार कर रहा है। कार्य योजना तैयार करने को लेकर बुधवार को प्राधिकरण ने बुधवार को नगर निगम में कार्यशाला का आयोजन किया। प्राधिकरण की ओर से गर्मी से निपटने के लिए तैयार की जा रही कार्ययोजना के बारे में अपर नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव ने बताया कि बड़े स्तर पर काम हो रहा है। अपर नगर आयुक्त के मुताबिक प्रदेश के चारों शहरों के तापमान का डेटाबेस भी तैयार किया जाएगा। इसमें अधिकतम तापमान का वर्षवार अध्ययन होगा। मलिन बस्तियों के जिन घरों की छतों का सफेद पेंट होगा, उनके भी तापमान का तुलनात्मक आंकड़ा लिया जाएगा। इसमें देखा जाएगा की छत पेंट करने से पहले और बाद में तापमान में क्या अंतर आया। कयास लगाया जा रहा है कि छत सफेद पेंट होने से तीन से चार डिग्री सेल्सियस तापमान का अंतर आ सकता है। घर की छतों पर पेंटिंग का काम स्वयं सेवी संस्थाओं को सौंपा जाएगा। सभी काम और कार्ययोजना पर नगर निगम नोडल एजेंसी के नाते निगरानी करेगा।

आतंकवाद का खात्मा करने को इंसानियत जिंदा करें: प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी

मुजफ्फरनगर। सर्व सामाजिक राष्ट्रीय संस्था एव एवं ह्यूमैनिटी वेलफेयर सोसाइटी के द्वारा शनिवार को गॉड ग्रेस इंटर कॉलेज सरवट में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से की गई सैन्य कार्यवाही को लेकर वक्ताओं ने चर्चा की।

राष्ट्रीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने कहा कि पहलगाम की आतंकी घटना के बाद आतंकवाद के खिलाफ मजबूत कार्यवाही के लिए पूरा देश एकजुट हुआ है, ऐसा पहली बार देखने को मिला कि पूरे देश ने आतंकवाद के खिलाफ की गई सैन्य कार्यवाही का समर्थन किया और सभी धर्म व जाति को भुलाकर एक भारतीय के रूप में एक मंच पर आये हैं। इसी को लेकर अनेक संस्था और संगठन पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ देश को जोड़ने के लिए काम कर रही हैं। इस मुहिम में युवाओं को खासकर जागृत करते हुए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को व्यापक बनाने की पहल की जा रही है। कार्यक्रम यही विचार किया गया कि इंसानियत से ही हम आतंकवाद को खत्म करते हुए ऐसे लोगों से लड़ सकते हैं। इसके लिए जाति और धर्म की बंदिशों से अलग आपसी भाईचारे को और मजबूत बनाने पर बल दिया गया है।

नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सभी ने जिस प्रकार से एक साथ खड़े होकर आवाज बुलंद की है, वो ही इस भारत की असली ताकत है। गॉड ग्रेस इंटर कॉलेज के प्रबंधक साजिद हसन त्यागी ने कहा कि पहलगाम टेरर अटैक ने देश को एकजुट किया है, हमारा इस कार्यक्रम के सहारे यही संदेश देने का प्रयास रहा है कि हम समाज में एकता पैदा करें और ऐसी स्थिति में पूरा देश एक मंच पर आये। सरकार ने जो कार्यवाही की, वो सराहनीय है, पूरा देश पाकिस्तान के खिलाफ की जाने वाली कार्यवाही के लिए सरकार और सेना के साथ खड़ा है। मौलाना आलम जैनबी ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आतंकवाद पूरी इंसानियत के लिए खतरा है, आतंकवाद के साथ ही इंसानियत को भी समझना जरूरी है। इंसानियत आपसी मेल मिलाप और प्यार का ही नाम है। आतंकियों का किसी भी मजहब से सम्बंध नहीं है, क्योंकि कोई भी धर्म आतंकवाद की शिक्षा नहीं देता है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान ही आतंकवाद का पोषक है और वहां पर मुस्लिम धर्मगुरूओं पर फिरकापरस्ती में हमले हो रहे हैं। मुस्लिमों को ही आतंकवादी निशाना बना रहे हैं। पाकिस्तान में नये लड़कों को आतंकी बनाया जा रहा है, जो इस्लाम में जायज नहीं है।

वक्ताओं ने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवादियों, भ्रष्ट सैन्य कर्मियों, हाफिज सईद जैसे धार्मिक उपदेशकों की आड़ में आतंकवादियों और हवाला ऑपरेटरों के बीच आपराधिक गठजोड़ का एक अनूठा मॉडल तैयार किया है, जो विदेशों में धन जमा कर रहे हैं। इसके खिलाफ भारत की कार्यवाही सराहनीय और गर्व का अनुभव कराने वाली है।

मुख्य रूप से महिला एसएचओ संगीता, जमीयत उलमा ए हिन्द के महासचिव मौलाना अहमद कासमी, मौलाना आलम जैनबी, डॉ. नजमुल हसन ज़ैदी, शाहवेज अंसारी, प्रधानाचार्य मौ. हारिश सुब्हानी, यशिका गोयल, मौ. फैसल, शबीना आजम, अलवीरा, हाकमीन राव, ब्रजेश कुमार, शुऐब त्यागी, अफशा सिद्दीकी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय की छात्राओं ने पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप को स्कूल से जुड़े मुख्य मार्ग की दुर्दशा से अवगत कराते हुए उसका निर्माण कराये जानेह की मांग के साथ एक प्रार्थना पत्र दिया।

उन्होंने जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू कराने का भरोसा दिया है। इस कार्यक्रम सफल बनाने में फैजुर रहमान, सावेज भाई और समस्त स्कूल स्टाफ का सहयोग रहाप

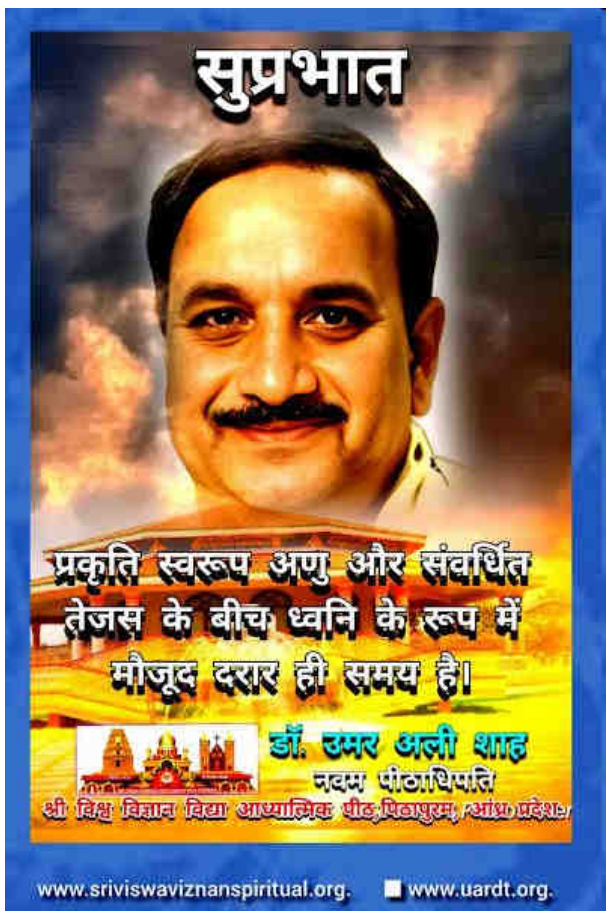

प्रमोद कुमार अध्यक्ष और मुकेश श्रीवास्तव महामंत्री निर्वाचित

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश समाज कल्याण मिनिस्ट्रियल सर्विसेज एसोसिएशन, कल्याण भवन में चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि मतगणना के उपरान्त समाज कल्याण विभाग में प्रमोद कुमार, अध्यक्ष तथा अमन कुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष व मुकेश कुमार श्रीवास्तव, महामंत्री निर्वाचित हुए। उत्तर प्रदेश समाज कल्याण मिनिस्ट्रियल सर्विसेज एसोसिएशन, कल्याण भवन लखनऊ का द्विवार्षिक चुनाव प्रदीप कुमार, चुनाव अधिकारी व श्रीमती नीतू सक्सेना एवं ओम प्रकाश, सहायक चुनाव अधिकारी की देख–रेख में समाज कल्याण के सभागार में मतदान सम्पन्न हुआ। जिसमें कर्मचारियों ने बढ चढकर हिस्सा लिया। मतगणना में प्रमोद कुमार मिश्र, अध्यक्ष, अमन कुमार शुक्ला, उपाध्यक्ष, महेन्द्र प्रताप सिंह, संयुक्त मंत्री निर्वाचित हुए। मुकेश कुमार श्रीवास्तव, महामंत्री, प्रणय प्रतीक उपाध्याय, संगठन मंत्री, रामखेलावन, कोषाध्यक्ष, सुश्री सृष्टि यादव, कार्यालय मंत्री, मुहम्मद सालिम अंसारी, आडिटर एवं मनोज कुमार यादव, सांस्कृतिक कार्यमंत्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। कार्यकारिणी सदस्य सुनील कुमार, मनीष कुमार, गौतम कुमार, तुषार शुक्ला, तरनजीत सिंह, रविन्द्र नाथ, अतुल कुमार, सचिन पाण्डेय व रूद्र नारायन पाण्डेय, रवि कुमार, निर्वाचित हुए।

ईको टूरिज्म बढ़ाने के लिए शुरू हो रही बफर में सफर योजना

टाइगर रिजर्वों के बफर जोन में मानसून के दौरान भी जंगल सफारी का आनंद ले सकेंगे पर्यटक

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के मुताबिक वन एवं वन्य जीव विभाग उत्तर प्रदेश को इको टूरिज्म के हब के तौर पर विकसित कर रहा है। वन एवं वन्य जीव विभाग के संबंधित अधिकारियों ने बताया कि विभाग प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य और जैव विविधता को संरक्षित करते हुए बफर में सफर योजना शुरू की जा रही है। प्रदेश के टाइगर रिजर्वों में नये सफारी रूटों के साथ भीरा और मोहम्मदी जैसे क्षेत्रों में ईको टूरिज्म की नई संभावनाओं को विकसित किया जा रहा है। स्थानीय लोगों को गाइड, रेस्टोरेंट संचालक के रूप में प्रशिक्षित कर स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा दिया जाएगा। इन प्रयासों का परिणाम है कि यूपी में पिछले वर्षों में ईको टूरिज्म के पर्यटकों की संख्या में तीव्र वृद्धि हुई है। सीएम योगी के विजन के मुताबिक उत्तर प्रदेश को ईको टूरिज्म के हब के तौर पर विकसित किया जा रहा है। इस दिशा में प्रदेश के वन एवं वन्य जीव विभाग ने मानसून के दौरान बफर में सफर योजना शुरू करने जा रही है। प्रदेश के टाइगर रिजर्वों के बफर जोन में सफारी के नये रूटों को विकसित किया जा रहा है। योजना के तहत दुधवा, पीलीभीत टाइगर रिजर्व, और उत्तर खीरी बफर जोन में नए सफारी रूट विकसित किए जा रहे हैं। सोहागीबरवा, उत्तर खीरी और पीलीभीत में बफर जोन क्षेत्रों के नए मार्गों का चयन किया गया है।इन बफर जोन में पर्यटक बरसात के दिनों में भी सफारी का आनंद ले सकेंगे। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए टाईगर रिजर्वों को अधिक दिन खोलने की भी व्यवस्था की जा रही है। बफर में सफर योजना का सबसे बड़ा लाभ मानव और वन्य जीवों के संघर्ष में कमी लाते हुए पर्यटकों को जंगल के रोमांच अनुभव प्रदान करना है। वन एवं वन्य जीव विभाग प्रदेश में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए टाइगर रिजर्व, अभ्यारण्यों के अतिरिक्त अन्य नई संभावनाओं को विस्तार दे रहा है। इस दिशा में लखीमपुर खीरी के भीर और मोहम्मदी के क्षेत्रों को भी ईको टूरिज्म के स्पाट के तौर पर विकसित किया जा रहा है। दक्षिणी खीरी के गोला, मोहम्मदी रेंज और भीर में टूरिस्ट सर्किट का निर्माण किया गया है। इस क्षेत्र में पड़ने वाली सेमराई झील, जो पक्षियों के प्रवास के लिए प्रसिद्ध है, इसको भी सर्किट में पर्यटकों के मनोरंजन के लिए शामिल किया जाएगा। नेपाल सीमा से सटे हुए कर्तनिया घाट के बफर जोन में भी जंगल सफारी की शुरुवात की गई है। इन क्षेत्रों में प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता के साथ वन्य जीवों की समृद्धि पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। वन एवं वन्य जीव विभाग सीएम योगी के विजन के मुताबिक उत्तर प्रदेश को ईको टूरिज्म का हब बनाने की दिशा में कई और नवीन प्रयास कर रहा है। इस दिशा क्रम में दुधवा पर्यटन परिसर में एक आधुनिक सूचना केंद्र की स्थापना की गई है, जो पर्यटकों को क्षेत्र की जैव विविधता, वन्य जीव, और स्थानीय संस्कृति की जानकारी प्रदान करेगा और लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक भी करेगा। इसके साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए नेचर गाइड, कैंटीन कर्मियों, और खानसामों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।यह प्रशिक्षण न केवल उनकी कौशल क्षमता को बढ़ाएगा, बल्कि पर्यटकों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं भी सुनिश्चित करेगा।

एनसीसी कैंप में कैडेट्स को शस्त्रों का खोलना–जोड़ना का प्रशिक्षण दिया गया

मुजफ्फरनगर। 82 यूपी एनसीसी बटालियन के तत्वावधान में राजकीय इण्टर कॉलेज मुजफ्फरनगर में चल रहे एनसीसी के दस दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण कैंप के चौथे दिन प्रथम सत्र में विभिन्न स्कूल कालेजों के गर्ल्स एवं ब्वायज कैडेट्स को हथियारों का खोलना –जोडना और रखरखाव की जानकारी दी गई। वहीं द्वितीय सत्र में खेल गतिविधियां कराई गई और खेलों के महत्व से कैडेट्स को अवगत कराया गया।

शनिवार को शस्त्रों के बारे में कैडेट्स को जानकारी देते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल ने कहा कि शस्त्रों का प्रयोग करने से पहले आवश्यक है कि उनके हिस्सों पुर्जों की बुनियादी जानकारी का होना आवश्यक है। कभी कभी हथियारों का इस्तेमाल करते समय उनमें रुकावटें आ जाती है।उन रूकावटों को दुरुस्त करने की जानकारी का होना बहुत ही महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही समय– समय पर उनकी साफ– सफाई का होना भी बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान सैनिक का लक्ष्य एक गोली एक दुश्मन होता है। इसलिए जरूरी है कि हथियारों के इस्तेमाल की बुनियादी जानकारी होना बहुत ही जरूरी है। कैंप के द्वितीय सत्र में कैडेट्स को विभिन्न प्रकार की खेल गतिविधियां कराई गई और खेलों के महत्व के बारे में बताया गया। डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल नवीन पराशर ने कैडेट्स को बताया कि स्टूडेंट्स लाइफ में किसी एक खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए।इस अवसर पर कैंप एडजुडेण्ट मेजर अरविंद कुमार, लेफ्टिनेंट नितिन कुमार, लेफ्टिनेंट नावेद अख्तर, चीफ आफिसर सतेन्द्र तोमर, चीफ आफिसर विपिन कुमार, चीफ आफिसर रमन सिंह, फर्स्ट आफिसर जयवर्धन सिंह,सैकिड आफिसर वाजिद अली सहित एनसीसी एवं सैन्य अधिकारी मौजूद रहे।

क्यों नहीं हम नीम पीपल और तुलसी हो रहे

क्यों नही हम नीम पीपल और तुलसी बो रहे,
क्यों नही बरगद लगाते, आम जामून बो रहे?
है अजब सी मानसिकता, स्वार्थ में मानव घिरा,
काटकर वन वृक्ष धरा से, नागफनी को बो रहे।

कह रहे सब वायू प्रदूषित, जीना दूभर है यहाँ,
विनाश प्रकृति का क्यों, कंकरीट धरा पर बो रहे?
कैसे बढे उत्पादन यहाँ, बस चिन्ता यही सताती,
लाभ की खातिर जमीं में, जहर क्यों हम बो रहे?

अ कीर्ति वर्धन

जे.पी.एस पब्लिक स्कूल में बच्चों ने मनाई पूल पार्टी

मोरना। मोरना मे भोपा मार्ग स्थित जे.पी.एस पब्लिक स्कूल में आयोजित पूल पार्टी मे जूनियर विंग के बच्चों ने मौज मस्ती की वहीं सी.बी.एस.ई. परीक्षा में उच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शील्ड व प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। प्रबंधक द्वारा बच्चों का उत्साह वर्धन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक मोहिनी शर्मा , निदेशक के.के. शर्मा तथा विशिष्ट अतिथि सार्थक शर्मा द्वारा माँ सरस्वती के चित्र सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया गया।जिसके बाद सी.बी.एस.ई. की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी शपथ राठी छछरौली ने 90: अंक विद्यालय टॉपर,अंशिका मोरना 89: अंक द्वितीय जानवी करहेरा ने 88.9: अंक तृतीय तथा सिमरा(ककराला)87.2:,अरश अली(मोरना) 86:, एंजल(छछरोली) 85:, योगेन(मोरना) 84:, को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

साथ ही छोटे बच्चों ने वॉटर पूल में बैलून गेम, डॉल्फिन–शार्क,ट्रेजर हंट, मार्को –पोलो जैसे खेल का आनंद लिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजन गौड, सृष्टि,वैष्णवी, मानवी, माला, मुस्कान, स्वाती, विनीता शर्मा , नूरजहाँ, शिवानी, स्वाति, श्वेता,दृष्टि, चिंकी, संगीता , आस्था, शीतल, सरस्वती, अर्चना,शिखा, सारिका,पूजा,नेहा,तनु, तौसीफ, आसिफ,ऋषभ, रजत,लखन, सपन, निशांत ,बृजेश आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

लोहिया बाजार में लाठी डंडों सहित घूमते दिखे संदिग्ध

व्यापारी की दुकान में छिप कर सेंधमारी की साजिश का संशय

मुजफ्फरनगर। गौरतलब है कि लोहिया बाजार जो की शहर का दिल कहा जाता है यहाँ पर काफी संख्या में व्यापारिक गतिविधियां दिन भर रहती है व शहर के व्यस्तम क्षेत्रो में से एक है यहाँ 23–मई–2025 की सुबह एक व्यापारी सुबह जब अपनी दुकान खोलने आया तो दुकान का दरवाजा अंदर से बंद मिला।

काफी प्रयास करने के बाद भी दरवाजा नहीं खुला जिसे छत से प्रवेश कर किसी तरह खुलवाया गया व एक सामान्य घटना समझ अनदेखा कर दिया गया परन्तु शाम के समय जब गेट बंद करने लगे तो वह बन्द नही हुआ व पता लगा को दरवाजे को अंदर से तोड़ने का प्रयास किया गया है जब व्यापारी ने घटना का जिक्र देर शाम आसपास के लोगो से किया तब कड़ियाँ जुड़ी।

क्षेत्रिय निवासियों ने बताया कि रात में 12 से 4 बजे के बीच मोहल्ले में 8 से दस असामाजिक तत्व लाठी–डंडो के साथ घूमते हुए देखे गये हैं जिसे सुनकर क्षेत्रवासियों में डर का माहौल हो गया।

समस्त घटना की सूचना हेतू सपा नेता व क्षेत्रीय निवासी गौरव जैन ने खालापार कोतवाल व खालापार चौकी प्रभारी को संभावित घटना से सावधान किये जाने हेतू फ़ोन से संपर्क करना चाहा व दोनों के फ़ोन न उठने पर 112 पर रात में ही सूचित किया गया जिस पर कुछ ही देर में वहां दो पुलिसकर्मी गाड़ी लेकर पहुँचे जिन्हें क्षेत्रवासियों ने समस्त प्रकरण से अवगत कराया व पुलिस कर्मियों ने अपनी ओर से आश्वासन देते हुए कहा कि वह शीर्ष अधिकारियों को सूचित करने के साथ ही क्षेत्र में निगरानी का कार्य मुस्तेदी से किया जायेगा।

संभावित घटना से भयभीत क्षेत्रीय निवासी

क्षेत्रवासियों द्वारा पुलिस प्रशासन से मांग की जाती है कि उक्त क्षेत्र में डर का माहौल है व पुलिस प्रशासन उक्त प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कदम उठाने की कृपा करें।

मानस महिला शक्ति ने किया भंडारे का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। जियामऊ स्थित रिट्ज फूड प्वाइंट पर शनिवार को मानस महिला शक्ति द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमानजी की पूजा–अर्चना और भोग अर्पण से हुई। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। भंडारे में हजारों लोगों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं को छोले, चावल, बूंदी और शरबत का प्रसाद वितरित किया गया। सभी व्यंजन स्वच्छता और श्रद्धा के साथ तैयार किए गए। आयोजन समिति ने सभी आगंतुकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा। मानस महिला शक्ति की रीता पांडे ने कहा कि यह आयोजन सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उनके अनुसार ऐसे आयोजन समाज में एकजुटता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। धार्मिक कार्यक्रमों से मानवीय संवेदनाएं जागृत होती हैं। पुनीता अवस्थी ने कहा कि यह कार्यक्रम सभी के सहयोग से सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन आध्यात्मिक और सामाजिक एकता के प्रतीक हैं। उन्होंने लोगों से अपनी क्षमता के अनुसार ऐसे सेवा कार्यों में योगदान की अपील की।

अहमामऊ से अटल बिहारी वाजपेयी चौक तक निकली तिरंगा यात्रा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के अहमामऊ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी वार्ड संख्या–1 के आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय से तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा सुशांत गोल्फ सिटी स्थित अटल बिहारी वाजपेयी चौक तक पहुंची। यात्रा में भारत माता की जय, वंदे मातरम् और हिंदुस्तान जिंदाबाद के नारे लगे। अमर सिंह और गिरिजा शरण सिंह ने इस यात्रा का आयोजन किया। इलाके के युवाओं और समाजसेवियों की भागीदारी से यह आयोजन सफल रहा। यात्रा में पूर्व सचिव युवा मोर्चा नवनीत तिवारी प्रिंस, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ध्रुव सिंह और जिला उपाध्यक्ष मनोज प्रजापति समेत कई नेता मौजूद रहे। यात्रा में छोटे बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं भी शामिल हुए। आयोजनकर्ताओं ने यात्रा के दौरान जगह–जगह जलपान की व्यवस्था की। अमर सिंह ने कहा कि यह यात्रा देश के प्रति प्यार और एकता का प्रतीक है। गिरिजा शरण सिंह के अनुसार इस तरह के आयोजन से युवाओं में देशभक्ति की भावना जागृत होती है। मोहित तिवारी, दिनेश नेगी, तुषार सिंह, बउआ शुक्ला, नितिन शुक्ला, गोपाल शरण सिंह समेत कई स्थानीय नेता और कार्यकर्ता भी यात्रा में शामिल हुए।

लोग वक्फ संशोधन विधेयक पर फैसले का इंतजार करें : आफाक

लखनऊ, (संवाददाता)। राष्ट्रीय सामाजिक कार्य कर्तासंगठन के संयोजक मुहम्मद आफाक ने एक बयान में कहा कि मुसलमानों को वक्फ संशोधन विधेयक पर फैसले का इंतजार करना चाहिए। सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाह फैले तो उस पर विश्वास न करें। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि अदालत संविधान के अनुरूप निर्णय देगी। हम इस विधेयक का विरोध करते हैं, जो पूरी तरह असंवैधानिक है। यह किसी के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता था, बल्कि मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप करता था।

सम्पादकीय.....

निर्ममता और नादानी

कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम हत्या की हृदयविदारक घटना उद्वेलित करने वाली है। चौदह–पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली घटना है। जाहिर है दसवीं–ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती आक्रामकता और संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। बताते हैं हत्या में शामिल युवक गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। इस बाबत प्रकाशित खबरों के अनुसार मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह हृदयविदारक है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख पैदा हुआ है। बहरहाल, किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह–पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने–लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारी परिवार संस्था बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रही है ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? उन्हें क्यों लगता है कि किसी लड़की को छेड़ा जाना चाहिए? क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष तिरोहित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला क्रूर ढंग से गला काटना हो सकता है? दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। आम तौर पर फिल्मों में हीरो हिरोइन से छेड़खानी करता और उसे परेशान करता नजर आता था। बाद में फिल्म की पटकथा में नायिका उसी हीरो के आगे समर्पण करती नजर आती थी। फिर फिल्म की पटकथा इस छेड़खानी को प्रेम कथा और विवाह में तब्दील कर देती है। कालांतर समाज के किशोरवय और युवाओं में यह संदेश गया कि निजी जीवन में यही छेड़खानी उनकी प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। फिर बची–खुची कसर हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीन व क्रूर–कथाओं ने पूरी कर दी। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता भर दी कि समाज में इसे न्यू नॉर्मल मानने की सोच पैदा हुई। कहीं न कहीं पारिवारिक संस्था व शिक्षा व्यवस्था इस सोच को खारिज करने में चूकी है। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। कोरोना संकट के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं की अपरिहार्यता ने विद्यार्थियों को मोबाइल उपयोग की स्वच्छंदा दी। आज उन्हें प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन–विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। उन कार्यक्रमों की बाढ़ है जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बताने का खेल चल रहा है। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। शायद शीर्ष अदालत की तल्ख टिप्पणी से हमारे सत्ताधीशों की आंख खुले।

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी सफलता

21 मई का दिन छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ छेड़े गए अभियान में काफी खास बन गया है। सुरक्षा बलों ने एक सुनियोजित अभियान चलाकर 27 नक्सलियों को मार गिराया है। मरने वालों में ईनामी नक्सली सीपीआईएम महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू का नाम भी शामिल है। बसवराजू का नाम कई बड़ी हिंसक घटनाओं से जुड़ा रहा है। 2010 में दंतेवाड़ा 76 सीआरपीएफ जवानों की मौत, 2013 का झीरम घाटी हमला, जिसमें कांग्रेस की पहली पंक्ति के तमाम नेता मारे गए थे, 2019 का गढ़ चिरौली हमला जिसमें 15 क्यूआरटी जवान मारे गए थे, ऐसी कई और घटनाओं की योजना बसवराजू ने ही बनाई थी, ऐसा दावा है। कई छद्म नामों से भूमिगत रहते हुए नक्सल कार्रवाइयों को अंजाम देने वाले बसवराजू ने बीटेक की पढ़ाई की थी, लेकिन कॉलेज में रहते हुए ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर नंबाला केशव राव ने अपनी राह अलग बना ली। बसवराजू को मारना सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता बताई जा रही है, क्योंकि इसके बाद नक्सल संगठन कमजोर पड़ेगा यह दावा सरकार और पुलिस प्रशासन का है। बुधवार को नक्सल आंदोलन के खिलाफ इस बड़ी सफलता पर भाजपा की राज्य और केंद्र सरकार दोनों अपनी पीठ थपथपा रहे हैं। इसे डबल इंजन सरकार की बड़ी उपलब्धि के तौर पर पेश किया जा रहा है। वैसे भी अमित शाह ने 2019 में ही नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा था। अब सरकार मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने की योजना बना रही है। छत्तीसगढ़ में मिली हालिया सफलता पर अमित शाह ने ट्वीट किया कि , नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में ऐसा पहली बार है कि हमारे बलों ने एक महासचिव स्तर के नेता को मारा है. मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूं। अमित शाह ने यह भी बताया कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा भी काफी गदगद है। कांग्रेस ने भी इस सफल अभियान के लिए खुशी जाहिर की है, मगर इस कामयाबी पर अपना हिस्से का दावा भी ठोंक दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि मैं इस बड़ी सफलता के लिए सभी जवानों को बधाई देता हूं.. जब हम सरकार में थे तब 600 गांवों को नक्सल मुक्त बनाया गया था। हमने लोगों में विश्वास पैदा किया और उन्हें भूमि अधिकार दिए, उनके कज माफ किए और यहां तक कि उन्हें उनकी जमीनें भी वापस दिलाई। अभी जो ऑपरेशन चल रहे हैं, वे बचे हुए इलाकों में हैं। जाहिर है इतनी बड़ी सफलता पर श्रेय लेने की होड़ तो रहेगी ही, क्योंकि अविभाजित मध्यप्रदेश के जमाने से छत्तीसगढ़ नक्सलवाद के चंगुल में रहा। भाजपा और कांग्रेस दोनों की सरकारें दोनों राज्यों में रहीं, दोनों दलों की सरकारों ने अपने–अपने शासनकाल में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चलाए और दोनों पर ही नक्सलियों के खात्मे की आड़ में मासूमों को निशाने पर लेने के आरोप भी लगे। अब भाजपा का पलड़ा केंद्र सरकार के सहयोग की वजह से अधिक भारी हो गया है, क्योंकि केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार पूरे समन्वय से काम कर रही हैं। ऐसे में यह तथ्य अपने आप उभरता है कि नक्सलवाद जैसी गंभीर समस्या को हल करने में राजनैतिक स्वार्थ आड़े आ जाते हैं। बहरहाल, ऑपरेशन ब्लैक फारेस्ट के बाद अब दावा किया जा रहा है कि तिरुपति से पशुपति तक फैला लाल गलियारा अब बंद होने की कगार पर है। माओवाद की कमर टूट चुकी है। माओवादी अब वार्ता करना चाहते हैं, लेकिन सरकार उन्हें हथियार रखने पर मजबूर कर चुकी है, लिहाजा वे बेबस हैं। बसवराजू के बाद माओवादियों के पास अब कोई बड़ा नेतृत्व नहीं बचा जो युद्ध की रणनीतियां बनाएं और बड़े अभियानों को लागू करवाए। ऐसे तमाम दावों से तस्वीर यही बन रही है कि नक्सलवाद अब खत्म होने को ही है और केन्द्रीय गृहमंत्री का जो दावा है कि मार्च 26 तक यह काम पूरा जाएगा, वह भी सही साबित होगा। इन दावों को करने का यही वक्त भी है, लेकिन इन्हीं के साथ कुछ सवाल भी उठ रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि नक्सलियों के बड़े नामों को खत्म करने के बाद भी क्या उन कारणों को खत्म किया जा सका है, जिनसे नक्सल आंदोलन शुरु हुआ था। पाठक जानते हैं कि 60 के दशक के अंतिम बरसों में प. बंगाल में नक्सलबाड़ी गांव से इस आंदोलन की शुरुआत हुई थी। क्योंकि पूंजीवाद से निकला शोषण और अन्याय गरीब किसानों और मजदूरों की जिंदगी को अपनी चपेट में ले चुका था। अपने हक के लिए उठाई गई आवाज हिंसक कार्रवाइयों में लिप्त हुई और धीरे–धीरे नक्सलवाद का दायरा इतना बढ़ गया कि भारत का एक बड़ा हिस्सा इसकी गिरफ्त में आया। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने इसे देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। उन्होंने भी ऑपरेशन ग्रीन हंट के तहत सभी नक्सल प्रभावित राज्यों की एकीकृत लड़ाई नक्सलवाद के खिलाफ शुरु की थी। वर्ना 2007–08 के पहले बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे सारे राज्य अपने–अपने अभियान नक्सलवाद के खिलाफ चलाते थे। इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ में घुसना शुरु कर दिया था, तभी से माओवादी बैकफुट पर जा रहे थे। लेकिन बीच–बीच में कुछ बड़ी घटनाओं को अंजाम देकर उन्होंने अपना आतंक बनाए रखने की कोशिश की। इसलिए अभी यह कहना शायद जल्दबाजी होगी कि माओवाद की कमर टूट गई है। क्योंकि जब तक समाज में अन्याय और शोषण के कारण बने रहेंगे, तब तक नक्सलवाद को भी सिर उठाने का बहाना मिलता रहेगा। नक्सलवादियों ने छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र ऐसे तमाम राज्यों में घने जंगलों में अपने ठिकाने बनाए हैं और इन जंगलों के नीचे अकूत प्राकृतिक संपदा है। इस संपदा पर उद्योगपतियों की गिद्धदृष्टि बनी हुई है, जबकि इन जंगलों में रहने वाले लोग तरह–तरह से शोषित और प्रताड़ित हो रहे हैं। क्या भाजपा सरकार इस बड़ी सफलता के मौके पर यह बात भी दम से कह सकती है कि आदिवासियों के हुकूक और प्राकृतिक संपदा पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में नक्सलियों के पास से बड़ी संख्या में अत्याधुनिक हथियार, कई महीनों का राशन और कई अन्य संसाधन भी बरामद हुए हैं।

जंगल–जंगल बात चली है...

डा. नीलिमा मिश्रा की डायरी (27)

आज 24 मई 2025 को अचानक यह पुराना गीत, जंगल–जंगल बात चली है पता चला है३३३. मेरे मन में गूँज उठा, जब मेरी बेटी अनन्या ने वीडियो कॉल पर कहा कि माँ! मैं अभी पेंच राष्ट्रीय उद्यान में हूँ यहाँ जंगल सफारी का आनंद ले रही हूँ। मुझे भी अपनी पेंच–उद्यान की यात्रा का स्मरण हो आया। जहाँ तक याद है, मई का ही महीना था सन् 2010 की बात है।

गर्मियों की छुट्टियाँ होते ही सभी बच्चे घूमने के मूड में आ जाते हैं। यात्रा रोमांचक हो तो, उत्साह और बढ़ जाता है। कुछ ऐसा ही हमारे हुआ, हम सब अपनी दीदी के घर जबलपुर में मौज–मस्ती कर रहे थे। दीदी की दोनों बेटियाँ देविका–गरिमा भी कहने लगी कि मौसी कहीं घूमने चलें। बात चल पड़ी, बातों–बातों में

जीजाजी कहने लगे कि हम सब सिवनी चलेंगे, एक पंथ दो काज हो जाएगा। अनन्या पूछ बैठी कैसे मौसा जी? जीजाजी हँस दिए कहने लगे मेरी उषा दीदी सिवनी में रहती हैं उनसे मिलना हो जाएगा और तुम सब को पेंच राष्ट्रीय उद्यान में शेर का दर्शन हो जाएगा। फिर क्या था हमारी तैयारी होने लगी और हम सब दूसरे दिन सुबह कार से पेंच के लिए रवाना हो गए। पेंच राष्ट्रीय उद्यान सिवनी और छिन्दवाड़ा जिले की सीमाओं पर 292.83 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है।

इस राष्ट्रीय उद्यान का नामकरण इसे दो भागों में बांटने वाली पेंच नदी के नाम पर हुआ है। यह नदी उद्यान के उत्तर से दक्षिण दिशा की ओर बहती है। देश का सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व होने का गौरव प्रात करने वाले पेंच राष्ट्रीय उद्यान को 1993 में टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर स्थित इस नेशनल पार्क में हिमालयी प्रदेशों के लगभग 210 प्रजातियों के पक्षी आते हैं। पक्षियों का कलरव, झीलें–तालाब, यहाँ के मनोरम दृश्य, प्राकृतिक सुंदरता पशु–पक्षी, पर्यटकों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं ।अनन्या–आंजनेय मोगली लैंड के आकर्षण में घिरे हुए,रूडयार्ड किपलिंग की कथा 'द जंगल बुक' को याद करते हुए, जंगल–जंगल बात चली है३.. गीत गाकर झूम रहे थे। रास्ते के सुंदर दृश्यों को कैमरे में कैद करते हुए हम लोग पेंच उद्यान पहुंच गए।

विशाल द्वार को पार कर वहाँ जिप्सी गाड़ी बुक की गई, जिससे जंगल सफारी का आनंद लिया जा सके, सारी औपचारिकताएँ पूरी करके हम सब जंगल की ओर बढ़े। तरह–तरह के पक्षियों का कलरव, ऊँचे–ऊँचे वृक्षों के झुरमुट, शीतल मंद हवा के झोंके, बंदरों का कोलाहल, वन्य प्राणियों का संसार, पूरे तन–मन में सिहरन पैदा कर रहा था। हमारे गाइड कहते शांत रहिए कॉल आ रही है शेर यहीं–कहीं है हम लोग एक–दूसरे को आश्चर्य से देखते कि बस कुछ अनोखी बात होने वाली है लेकिन फिर माहौल शांत हो जाता। काफी देर तक हम लोगों को शेर का दर्शन नहीं हुआ । वैसे मजा बहुत आ रहा था, लेकिन यह लगा कि कहीं कान्हा नेशनल पार्क की ही तरह ऐसा न हो कि बिना शेर को देखे ही वापस जाना पड़े । हमारे इस विचार को सुनकर गाइड ने कहा कि दूसरा तरीक़ा अपनाना चाहिए। हम पूछ बैठे कि क्या तरीक़ा? तो उसने कहा कि हाथी की सवारी करके जंगल में प्रवेश किया जाए। अब हम सबको बड़ा मज़ा आया कि यह भी अनुभव लिया जाए।

थोड़ी देर में महावत हाथी को लेकर आ गया पहली बार हाथी पर चढ़ने में डर भी लग रहा था लेकिन हम सभी लोग दो हाथी पर सवार होकर जंगल के अंदर घुसे थोड़ी देर में एक शेर काँटों भरे झुरमुट के नीचे आराम करता हुआ दिखाई दिया। हम लोगों की खुशी का ठिकाना ही नहीं था। इतनी पास से पहली बार हाथी पर चढ़कर शेर को देख रही थी।मैंने अनन्या से कहा कि फोटो खींच लो, वह कैमरा हाथ में लिए हुई थी लेकिन

डा. नीलिमा मिश्रा
प्रयागराज
8127713641

उसका हाथ काँप रहा था, फिर भी उसने कुछ चित्र लिए, हम सब पूरी तरह से रोमांचित थे। ऐसा अनुभव हुआ जो अविस्मरणीय है। हम सभी की खुशी का कोई पारावार न था। इस साहसिक यात्रा को पूरा करके हम लोग पेंच उद्यान से बाहर निकले। जैसा तय था कि उषा दीदी से मिलने जाना है हम सभी लोग सिवनी शहर की ओर रवाना हो गए । दीदी के घर पहुँच गए, बार–बार वही दृश्य आँखों के सामने उभर जाता हम सभी लोग अपनी इस यात्रा के सम्मोहन में बहुत दिनों तक घिरे रहे। अद्भुत अनुभव था। वाक़ई प्रकृति ने भारत भूमि को इतने सुंदर–अमूल्य संसाधनों से परिपूर्ण किया है कि हमें अपने देश की विरासत और संस्कृति पर गर्व करना चाहिए। इसको बचाने का भरपूर प्रयास करना चाहिए बिना किसी तरह का नुक़सान पहुँचाए इसका आनंद लेना चाहिए । यही सतत पोषणीय विकास है।

वन देवी की जय!!

जननी जन्मभूमि की जय!!

कहानियों के जरिए जारी है ताजपोशी

वर्षा भम्भाणी मिर्जा

अध्यात्म और भारतीय पौराणिक ग्रंथों के विवेचनाकार देवदत्त पटनायक एक जगह लिखते हैं कि प्राचीन काल से ही गाथाओं के माध्यम से सत्ता की स्थापना होती आई है। राजा में देवत्व का अंश बताया जाता था। यूं तो राजा अक्सर वंश विशेष से ही चुने जाते थे लेकिन जब ऐसा भी नहीं हो पाता था तब जो भी चुना जाता था, उसे लेकर यही साबित किया जाता था कि उस पर देवताओं की असीम कृपा है। वह परम प्रतापी और विलक्षण है। तब ऐसा कौन कर पाता था और किसे यह जिम्मेदारी दी जाती थी? कौन यह स्थापित करता था कि इस पर देवताओं की कृपा है और यह आम से बहुत अलग और विशेष है? क्योंकि ऐसा न होने पर प्रजा का उस पर विश्वास होना संभव नहीं होता था जिससे राजकाज में बाधा आती थी। इसके लिए प्राचीन भारत के वैदिक काल में दूसरों पर राज करने के इच्छुक महत्वाकांक्षी क्षत्रप ब्राह्मणों द्वारा अनुष्ठान करवाते थे और इन अनुष्ठानों के सफलतापूर्वक पूरे होने का तात्पर्य यह था कि देवता उस क्षत्रप के साथ हैं। अग्निष्टोम, अग्निचयन, अश्वमेध यानी वाजपेयी और हिरण्यगर्भ यजुर्वेद और ब्राह्मण साहित्य में अनुष्ठान का ब्यौरा मिलता है। फिर भी केवल इतना पर्याप्त नहीं था। बाद के दौर में ब्राह्मण कथाकार बन गए और उन्होंने राजा के राजत्व की पुष्टि करने के लिए कथाएं बताईं जिनसे साबित हो जाता था कि राजाओं का उद्गम अलौकिक है।वैसे यहां यह बताने की जरूरत नहीं है कि आधुनिक भारत में किसने खुद को अलौकिक और नॉन बायोजिकल बताने की कोशिश की। आज का मुख्यधारा का मीडिया कहानियां सुनाने की भूमिका में है। बस, किसी तरह देवत्व स्थापित हो जाए। येन–केन बस वह यही स्थापित करने में लगा रहता है कि यह सत्ता दूध से धुली हुई है और इसका जयकारा नहीं लगाया तो अनर्थ हो जाएगा, राज्य कष्टों से घिर जाएगा। हम सब जानते हैं कि निकट अतीत में किन–किन रूपों को स्थापित करने के प्रयास समय–समय पर हुए। तब के संजय (महाभारत युग में युद्ध का सीधा हाल सुनाने वाले) ने तो धृतराष्ट्र को युद्ध का सीधा हाल ही जस का तस सुनाया था, आज का दौर तो उन्माद पैदा कर श्जोम्बी जनरेशनश बना रहा है। वो जोम्बी जो मुर्दा होकर भी अपनी जानलेवा हरकतों से किसी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अभी हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय मुख्यधारा के मीडिया की जो भूमिका रही, उस पर पूरी दुनिया में बहस –बातचीत हो रही है कि आखिर इस उत्तेजना की जरूरत क्या थी

डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन युद्ध शांति वार्ता की जिम्मेदारी पोप पर डाली

टी एन अशोक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन और रूस के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए अपने शांति प्रयासों को लगभग बंद कर दिया है, क्योंकि सोमवार को तथाकथित दोस्त रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी दो घंटे की बातचीत नो एंट्री जोन में समाप्त हो गयी। वेटिकन अब रूसी और यूक्रेनी नेताओं के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने के लिए दृश्य में प्रवेश कर गया है। कोई नहीं जानता कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने शिकागो में जन्मे पोप लियो–१४ से मदद मांगी या नहीं, ताकि वे उन्हें बचा सकें और वार्ता की मेजबानी कर सकें, ताकि दोनों नेता उनकी बात सुन सकें। लेकिन वीपी जेडी वांस ने वास्तव में शिकागो के नये पोप लियो–१४ से मुलाकात की और यूक्रेन सहित वैश्विक स्थिति के बारे में बताया। ट्रम्प ने यूक्रेन में युद्ध के रक्तपात को रोकने के प्रयास में सोमवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अन्य नेताओं से अलग–अलग कॉल में बात की। लेकिन राष्ट्रपति की शांति पहल अनिर्णायक रही, जिससे वे निराश हो गये। ट्रम्प ने अपने सोशल नेटवर्क ट्रूथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि–रूस और यूक्रेन अब श्तुरंतश युद्ध विराम पर सीधी बातचीत करेंगे। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं था कि ये वार्ता किस रूप में होगी या कब होगी। ट्रम्प ने कहा कि वेटिकन ने वार्ता की मेजबानी करने में रुचि व्यक्त की है। उन्होंने कहा, इसके लिए शर्तें दोनों पक्षों के बीच बातचीत से तय होंगी, क्योंकि ऐसा केवल इसलिए हो सकता है, क्योंकि वे वार्ता के विवरण जानते हैं, जिसके बारे में किसी और को पता नहीं होगा। पुतिन के साथ ट्रम्प की कॉल दो घंटे से अधिक समय तक चली और श्बहुत जानकारीपूर्ण और बहुत खुली थी, पुतिन ने रूसी राज्य मीडिया को बताया। ट्रम्प ने जेलेंस्की के साथ अपनी बातचीत के बारे में बहुत कम कहा, जिनसे उन्होंने सबसे पहले बात की, सिवा इसके कि उन्होंने जेलेंस्की और अन्य नाटो देशों के नेताओं को वार्ता के बारे में सूचित कर दिया था। व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया। जेलेंस्की के अनुसार, ट्रंप ने सोमवार को जेलेंस्की से दो बार बात की, एक बार आमने–सामने, पुतिन के साथ ट्रंप की कॉल से पहले, और फिर यूक्रेनी और नाटो नेताओं के साथ एक कॉन्फ्रेंस कॉल के दौरान। जेलेंस्की ने ट्वीट किया, मैंने राष्ट्रपति ट्रंप से फिर से कहा कि–यूक्रेन पूर्ण और बिना शर्त युद्धविराम के लिए तैयार है।श उन्होंने लिखा, अगर रूसी हत्याओं को रोकने के लिए तैयार नहीं हैं, तो उन पर कड़े प्रतिबंध लगाये जाने चाहिए। रूस पर दबाव उसे वास्तविक शांति की ओर ले जाएगा – यह दुनिया भर में सभी के लिए स्पष्ट है, रोम में एनबीसी न्यूज के साथ सोमवार को एक साक्षात्कार में, जहां पोप लियो–१४ ने उनका स्वागत किया, उपराष्ट्रपति जेडी वांस ने कहा, यह जोड़ते हुए कि श्हमने पोप के साथ राष्ट्रपति की प्रमुख शांति पहलों के बारे में बात की। हमने इस बारे में बहुत बात की कि इजराइल और गाजा में क्या चल रहा है। हमने रूस–यूक्रेन की स्थिति के बारे में बहुत बात की। भविष्य की भविष्यवाणी करना कठिन है, लेकिन मुझे लगता है कि, न केवल पोप, बल्कि पूरे वेटिकन ने, आप जानते हैं, वास्तव में मददगार होने की इच्छा व्यक्त की है, और उम्मीद है कि एक शांति समझौते को सुविधाजनक बनाने के लिए मिलकर काम करना है। भविष्य की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती, लेकिन यह बहुत सार्थक था, और मुझे उम्मीद है कि देश के लिए इसका फल मिलेगा। इस बीच, पुतिन के प्रवक्ता दिमित्रीपेसकोव ने कॉल से पहले कहा कि रूस श्अमेरिका को बहुत महत्व देता है और अमेरिकी पक्ष का आभारी है। पत्रकारों के साथ एक ब्रीफिंग में, उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका श्शांतिपूर्ण तरीकों से हमारे लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है, तो यह वास्तव में बेहतर है। पेसकोव से ट्रंप और पुतिन की व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की संभावना के बारे में भी पूछा गया, जिसकी संभावना अमेरिकी राष्ट्रपति ने शुक्रवार को जताई थी। पेसकोव ने कहा, श्यह काफी हद तक इस बात पर निर्भर करेगा कि वे खुद क्या फैसला करते हैं। उन्होंने कहा कि तारीखों और अन्य विवरणों के संदर्भ में दोनों नेताओं द्वारा बैठक पर श्काम करने की जरूरत है। बहुप्रतीक्षित ट्रंप–पुतिन कॉल से पहले, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और इटली के नेताओं ने कहा कि उन्होंने रविवार को ट्रंप से बात की। ब्रिटिश सरकार ने एक बयान में कहा कि वह श्पुतिन से शांति वार्ता को गंभीरता से लेने का आग्रह कर रही है।श बयान में कहा गया है कि उन नेताओं ने रूस द्वारा युद्धविराम और शांति वार्ता में गंभीरता से शामिल न होने पर प्रतिबंधों के इस्तेमाल पर भी चर्चा कीश– कुछ ऐसा जिसकी ट्रंप पहले भी धमकी दे चुके हैं। फरवरी २०२२ में शुरू होने के बाद से यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को समाप्त करने के लिए कई दौर की शांति वार्ताएं हो चुकी हैं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन सभी कब्जे वाली भूमि को रूसी के रूप में मान्यता देने, रूस को वे सभी क्षेत्र दिये जाने की मांग कर रहे हैं जिन पर उसका दावा है लेकिन उसका पूर्ण नियंत्रण नहीं है। फिर यह गारंटी भी कि यूक्रेन कभी भी नाटो में शामिल नहीं होगा, और वह रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को हटाना चाहते हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की रूसी सैनिकों की पूरी तरह वापसी, कैदियों और अपहृत यूक्रेनी बच्चों की वापसी, युद्ध अपराधों के लिए रूसी नेताओं पर मुकदमा चलाने और आगे रूसी आक्रमण को रोकने के लिए सुरक्षा गारंटी की मांग कर रहे हैं। रूसी और यूक्रेनी अधिकारियों के बीच पहली बैठक आक्रमण शुरू होने के चार दिन बाद, २८ फरवरी २०२२ को बेलारूस में हुई और बिना किसी नतीजे के समाप्त हुई। बाद में वार्ता के दौर हुए– मार्च २०२२ में बेलारूस–यूक्रेन सीमा पर और तुर्की के अंताल्या में। तुर्की में बातचीत से एक समझौता हुआ जिसके अनुसार यूक्रेन नाटो में शामिल होने की योजना को छोड़ देगा और अपनी सेना पर सीमाएं लगायेगा, जबकि पश्चिमी देशों से सुरक्षा गारंटी होगी और रूस द्वारा क्रीमिया पर कब्जा करने को मान्यता देने की आवश्यकता नहीं होगी। मसौदा संधि पर लगभग सहमति बन गयी थी, लेकिन सुरक्षा गारंटी और बुचा नरसंहार पर असहमति ने अंततरू वार्ता की सफलता को रोक दिया। डोनाल्ड ट्रम्प के संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद २०२५ में नये सिरे से बातचीत शुरू हुई। ट्रम्प ने इस साल १२ फरवरी को पुतिन के साथ फोन पर बात की और उसके तुरंत बाद अमेरिकी अधिकारियों ने जेलेंस्की से मुलाकात की। सऊदी अरब शांति वार्ता के लिए प्राथमिक मेजबान देश के रूप में उभरा। अमेरिका–रूस शिखर सम्मेलन के बाद, ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच संबंध खराब हो गये, जिसकी परिणति २८ फरवरी को दोनों के बीच हुई बैठक में हुई जिसमें अमेरिकी अधिकारियों ने यूक्रेफेनियों को बीच में ही चले जाने के लिए कहा और एक नियोजित यूक्रेन–अमेरिका खनिज राजस्व सौदे को छोड़ दिया।

पूजा गौर

दिल रो रहा था, पर सेट पर जश्न मना रही थी, नानी को खोकर टूट चुकी थी

टीवी शो श्मन की आवाज प्रतिज्ञाश से पहचान बनाने वाली पूजा गौर ने फिल्मों और ओटीटी में सफलतापूर्वक कदम रखा है। उन्होंने श्केदारनाथश से लेकर श्अदृश्यम 2श तक सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं। पूजा से खास बातचीत। टीवी शो मन की आवाज प्रतिज्ञा से छोटे पर्दे पर बड़ी पहचान बनाने वाली ऐक्ट्रेस पूजा गौर ने फिल्म केदारनाथ से बड़े पर्दे पर बड़ी छलांग लगाई। वहीं, ओटीटी पर वह गन्स ऐंड गुलाब्स और आईसी 814रू द कंधार हाइजैक जैसी चर्चित वेब सीरीज में अहम किरदारों में दिखीं। इन दिनों सीरीज अदृश्यम 2 में साहसी एजेंट दुर्गा के रूप में चर्चा बटोर रहीं पूजा से हमने की खास बातचीतरू आपने टीवी से फिल्मों और ओटीटी की ओर बड़ी सफलतापूर्वक ट्रांजिशन किया। यह कितना मुश्किल या आसान था? ये यह नहीं कहूंगी कि यह बहुत आसान था। चुनौतियां काफी थीं, क्योंकि यहां कभी आपको वजह नहीं पता चलती कि फलां रोल आपको क्यों नहीं मिला? कोई आपको मुंह पर नहीं बोलता। पहले शायद ऐसा होता कि टीवी में काम करने की वजह से फिल्मों में रोल ना मिलते हों, मगर अब चीजें बहुत बदल गई हैं। अब फिल्ममेकर्स अच्छे ऐक्टर्स का स्वागत कर रहे हैं। अब टीवी ऐक्टर, फिल्म ऐक्टर जैसा कुछ नहीं रहा। अब सभी को अच्छा ऐक्टर चाहिए, तो मेरा लक्ष्य ये रहता है कि मैं जो करूं, उसे और बेहतर करती रहूं। बाकी, क्यों, क्या, कैसे?, कौन क्या कह रहा है, उसे दिमाग में नहीं रखती। प्रतिज्ञा हो या एजेंट दुर्गा, आपने पर्दे पर ज्यादातर सशक्त भूमिकाएं निभाई हैं। क्या इसके पीछे औरों को इंस्पायर करने की सोच रहती है? मैंने कभी ये सोचा नहीं कि मुझे स्ट्रॉन्ग औरत या दूसरों को प्रेरित करने वाला किरदार ही करना है। यह मेरी किस्मत है कि मेरी झोली में ऐसे ही किरदार गिरे। शायद निर्माताओं को मुझमें वह खूबी दिखती हैं कि मैं इन सशक्त किरदारों के साथ न्याय कर सकती हूं और इसके लिए मैं ऊपर वाले का शुक्रिया करती हूं। मुझे बहुत अच्छा लगता है कि मुझे इतने अच्छे किरदार मिले जो खुद मुझे बहुत इंस्पायर करते हैं। दूसरों की बात तो बाद में आती है, मैं खुद अपनी जिंदगी में इन किरदारों से काफी सीख लेती हूं। जैसे, दुर्गा से भी मैंने काफी सीखा। एक सबसे अहम चीज जो मैंने सीखी, वह यह कि अपनी पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ के बीच कैसे तालमेल बिठाना है। अपनी भावनाओं को कैसे कंट्रोल करना है कि आपके अंदर जो भी चल रहा हो, उसे अपने कर्तव्य के बीच में नहीं ला सकते। 45 साल के शादीशुदा मर्द के प्यार में हैं सामंथा? जिनकी पत्नी लाल साड़ी में बनीं थी दुल्हन मेरे आंसू निकल गए. .. निमृत कौर के साथ सुप्रीम कोर्ट में हुआ यौन उत्पीड़न, बोलीं– सुनवाई चल रही थी राजेश खन्ना की नातिन नाओमिका दिखीं अमिताभ के नाती अगस्त्या के साथ, लोग बोले– ये जोड़ी सही नहीं मैं स्विफ्ट में आई तो रोक दिया... कल्कि ने दिखाया बॉलीवुड का काला चेहरा– एक्टर्स 1ठभ्ज्ञ में रहते हैं कर्तव्य के बीच में निजी मुश्किलों को ना आने देना यानी द शो मस्ट गो ऑन वाली स्थिति तो कलाकारों की जिंदगी का भी अहम हिस्सा है। आपके साथ कभी ऐसा कुछ हुआ है? जी, बिल्कुल हुआ है। जब मेरा शो प्रतिज्ञा चल रहा था, तब मेरी नानी जी की तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। मैं उनके बहुत ही ज्यादा क्लोज थी, मगर जब मुझे खबर मिली कि वह नहीं रही, उस वक्त हमारा बैक टू बैक शूट चल रहा था। हालत ऐसी थी कि हम दिन भर शूट करते थे और रात में टेलिकास्ट होता था, तो नानी के गुजरने की खबर सुनकर भी मुझे शूट करते रहना पड़ा। जबकि मेरा दिल रो रहा था। आज भी मुझे उनकी उतनी ही याद आती हैं, तो उस वक्त तो मैं टूट चुकी थी, पर हमारा टेलीकास्ट था। यही नहीं, इत्तेफाक से वे सीन बहुत पॉजिटिव, जश्न और खुशी के सीन थे तो अंदर की भावनाओं को दबाकर, एक मुखौटा लगाकर वो सीन करना मेरे लिए बहुत चौलेंजिंग था। आपने पहले किक बॉक्सिंग सीखी थी, एक एजेंट का रोल करते हुए वह ट्रेनिंग कितनी काम आई? असल में मैंने किक बॉक्सिंग फिजिकल फिटनेस के लिए सीखी थी, क्योंकि मैं सिर्फ जिम नहीं जाना चाहती थी। मुझे कोई नया स्किल सीखना था और मुझे लगा कि किक बॉक्सिंग में मजा आएगा। इसलिए, मैंने कुछ टाइम के लिए वो सीखा। निश्चित तौर पर इस शो में उसका फायदा मिला, क्योंकि उसमें कॉम्बैट की कुछ तकनीक सिखाई जाती है। हालांकि, मैंने बहुत बेसिक सीखा था, मगर वह इस शो का हिस्सा बनने के लिए आधार बना, क्योंकि इस किरदार की तैयारी के लिए भी मैंने कॉम्बैट तकनीक सीखी, चाहे वो हैंड टू हैंड कॉम्बैट हो या बंदूक कैसे पकड़ना है जैसी चीजें, ये चीजें निश्चित तौर पर वह ट्रेनिंग काम आईं। केदारनाथ में सुशांत सिंह राजपूत के साथ स्क्रीन शेयर करने का अनुभव कैसा रहा था? सुशांत कमाल का ऐक्टर था। हमने अपना करियर साथ में शुरू किया था। हमने लगभग एक समय में अलग–अलग प्रॉजेक्ट में अपने करियर की शुरुआत की थी, तो मैं केदारनाथ से पहले से उसे जानती थी। उसमें बहुत सारी खूबियां थीं। अपने किरदार में ढल जाना, जुनूनी, वह अपनी बेहतरीन और अपनी तरह के अनूठे थे।

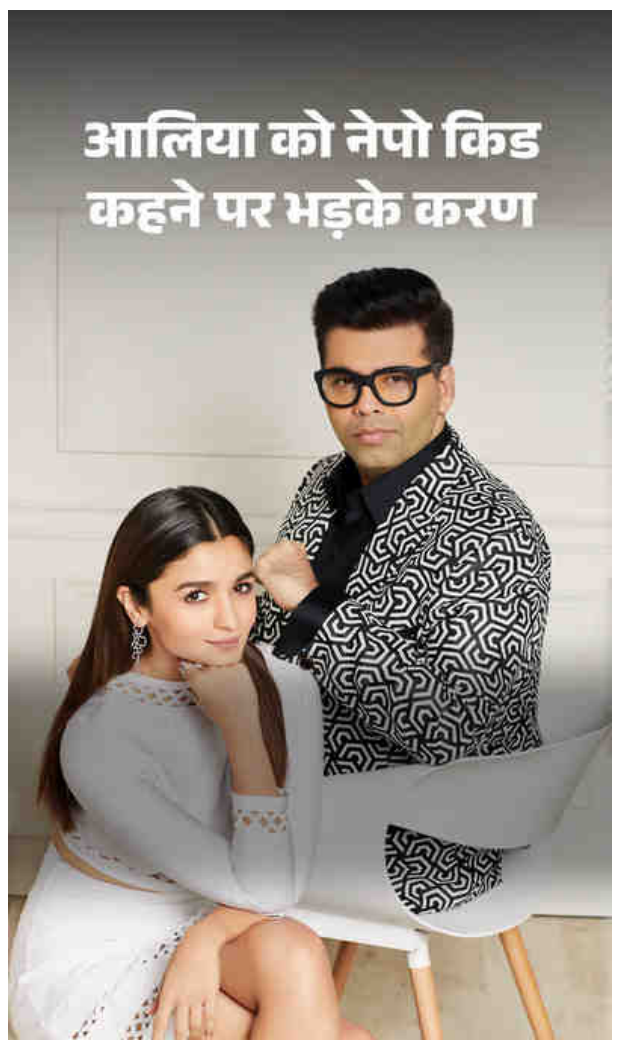

फिल्ममेकर करण जौहर ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है जो अब भी आलिया भट्ट को नेपो किड कहकर बुलाते हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने साफ कहा कि अब वह नेपोटिज्म की इस बहस से तंग आ चुके हैं। गलाटा प्लस के साथ बातचीत में करण जौहर ने कहा, क्या आपने हाइवे देखी है? क्या आपने उड़ता पंजाब देखी है? क्या आपने राजी देखी है? क्या आपने गंगूबाई देखी है? सिर्फ उसकी फिल्में देखिए। अगर इसके बाद भी आप उसे नेपो किड कह रहे हैं, तो आप इस दुनिया के सबसे मूर्ख इंसान हैं और फिर कोई आपकी मदद नहीं कर सकता। स्टार किड को लॉन्च करने पर भी करण जौहर ने कहा, मैं स्टार किड्स के टैलेंट में विश्वास जारी रखूंगा। क्या मैं बॉलीवुड की नफरत का चेहरा हूं और अगर हां तो मुझे ये टैग देने के लिए थैंक्यू। लेकिन क्या मैं इसके लायक हूं? मुझे नहीं लगता कि मैं इस टैग के लायक हूं। करण जौहर और आलिया भट्ट के बीच रिश्ता सिर्फ पेशेवर नहीं है, बल्कि उससे कहीं ज़्यादा गहरा और व्यक्तिगत है। करण आलिया को अपनी बेटी की तरह मानते हैं। उन्होंने ही आलिया को स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू करवाया था। म्प्पउमे के साथ एक पुराने इंटरव्यू में करण ने कहा था, ष्वो पहली इंसान है, जिसे लेकर मुझे पैरेंटल फीलिंग आई। मैं उससे प्यार करता हूं, और देश जानता है कि वो हमारी सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक है। आलिया भट्ट ने किया था । कांस डेब्यू कैंसिल 78वें कांस फिल्म फेस्टिवल के पहले दिन यानी 14 मई को आलिया भट्ट कांस के रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली थीं, हालांकि उन्होंने डेब्यू कैंसिल कर दिया था। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, आलिया ने भारत–पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के चलते ये फैसला लिया था। उन्हें इस सेंसिटिव टाइम में कांस का हिस्सा बनना ठीक नहीं लग रहा था।

टीवी एक्ट्रेस दीपिक कक्कड़ अब टीवी पर नजर नहीं आती हैं लेकिन वो व्लॉग के जरिए फैंस से जुड़ी रहती हैं. दीपिका और शोएब दोनों ही व्लॉगिंग करते हैं और फैंस को अपनी लाइफ के बारे में अपडेट देते रहते हैं. अब शोएब ने दीपिका को लेकर खुलासा किया है जिसके बाद उनके फैंस बहुत परेशान हो गए हैं. उन्होंने दीपिका के लिए दुआ मांगना भी शुरू कर दिया. शोएब ने अपने पोस्ट में खुलासा किया है कि दीपिका को एक गंभीर बीमारी हो गई है. जिसके लिए सर्जरी कराने की नौबत आ गई है. दीपिका और शोएब सोशल मीडिया के जरिए अपनी पूरी लाइफ के बारे में फैंस को अपडेट देते रहते हैं. उनके घर में क्या चल रहा होता है फैंस को सब पता होता है. फैंस भी उनकी लाइफ में खूब इंटरेस्ट लेते हैं. दीपिका और शोएब दोनों की ही फैन फॉलोइंग भी बहुत तगड़ है.? दीपिका के लिवर में हुआ ट्यूमर शोएब ने अपने व्लॉग में बताया है कि दीपिका के लिवर के लेफ्ट लोब में ट्यूमर हो गया है. ये ट्यूमर साइज में काफी बड़ा है. इस दौरान शोएब का चेहरा काफी उतरा हुआ था. शोएब ने कहा– दीपिका ठीक नहीं है, थोड़ा सा उसको पेट में दिक्कत है जो काफी सीरियस है. दरअसल मैं चंडीगढ़ में था और दीपिका मुंबई में ही थी और उनके पेटे में दर्द हुआ. दीपिका को लगा ये नॉर्मल दर्द है मगर जब ये ज्यादा बढ़ गया तो फिर डॉक्टर के पास लेकर गए।कुछ ब्लड टेस्ट हुए. तब आया कि उनके पेट में इंफेक्शन है. ट्यूमर का साइज है बड़ा शोएब ने आगे कहा– हमारे डॉक्टर ने हमें बुलाया और कहै कि हमे सीटी स्कैन करना होगा. रिपोर्ट में आया कि दीपिका को ट्यूमर है लिवर के लेफ्ट लोब में. वो भी टेनिस बॉल के साइज का है. ये हम सबके लिए बहुत शॉकिंग है. शोएब ने आगे कहा– हम सब बस इसी बात को लेकर डर रहे थे कि कहीं कैंसर तो नहीं बनेगा. हालांकि अब तक रिपोर्ट में ऐसा कुछ नहीं आया है. ये सुकून की बात है. अभी और टेस्ट भी होने हैं।

अल्लू अर्जुन जूनियर एनटीआर के ट्रेनर के साथ एटली की एए22 के लिए बहाया पसीना

पुष्पा 2 द रूल के बाद, अल्लू अर्जुन एटली की अगली फिल्म में एक और रोमांचक अवतार के साथ फिल्म प्रेमियों को खुश करने के लिए तैयार हैं। इसका संभावित नाम एए22•ए6 है। इस फिल्म में अपनी भूमिका की तैयारी के लिए एक्टर अल्लू अर्जुन बड़े स्तर पर फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन से गुजर रहे हैं। उन्हें इस यात्रा में सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर लॉयड स्टीवंस द्वारा गाइड किया जा रहा है। इंस्टा फैंस को उनकी तैयारी की एक झलक देते हुए, स्टीवंस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक्टर के इंटेंस वर्कआउट सेशन की एक फोटो पोस्ट की। एए (अल्लू अर्जुन) ने स्टीवंस के बैकग्राउंड में अपनी फिटनेस वॉच की एक तस्वीर खींची। स्मार्टवॉच से पता चला कि अला वैकुंठपुरमुलू के एक्टर ने जिम में पसीना बहाते हुए 295 किलो कैलोरी बर्न की थी, जबकि उनकी औसत हार्टबीट 140 बीपीएम थी और वास्तविक बीपीएम 101 से 167 के बीच थी। स्टीवंस ने कैप्शन में अल्लू अर्जुन पीओवी लिखा। एए से पहले, सेलिब्रिटी ट्रेनर ने रणवीर सिंह, एनटीआर और महेश बाबू को किरदार के लिए उनके मनचाहा लुक पाने में मदद की थी। उन्होंने एसएस राजामौली की आरआरआर में एनटीआर के साथ काम किया, जिसमें राम चरण भी उनके साथ थे। अगर रिपोर्ट्स पर विश्वास किया जाए, तो इस अनटाइटल्ड ड्रामा में अल्लू अर्जुन डबल रोल में होंगे, जबकि पहले चर्चा थी कि फिल्म में दो हीरो होंगे। एए की टीम ने पुष्टि की है कि एए22•ए6 में अल्लू अर्जुन ही मुख्य भूमिका में होंगे। सन पिक्चर्स के बैनर तले बन रही फिल्म के निर्माताओं ने इस साल अप्रैल में बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट की घोषणा की थी। अपने एक्स टाइमलाइन पर, प्रोडक्शन बैनर ने लिखा, लैंडमार्क सिनेमैटिक इवेंट के लिए तैयार हो जाइए। एए22•ए6– सन पिक्चर्स की ओर से एक शानदार कृति। उन्होंने एक घोषणा वीडियो जारी किया जिसमें फिल्म पर काम कर रहे विश्व स्तरीय तकनीशियनों ने स्क्रिप्ट के बारे में अपने विचार साझा किए। आयरन मैन 2 और ट्रांसफॉर्मर्स राइज ऑफ द बीस्ट्स जैसी फिल्मों के लिए जाने जाने वाले वीएफएक्स सुपरवाइजर जेम्स मैडिगन ने कहा, मैंने अभी–अभी स्क्रिप्ट पढ़ी है और मैं कहना चाहता हूं कि मेरा सिर अब भी घूम रहा है।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभाएंगे साउथ सुपरस्टार धनुष, कान्स 2025 में हुआ ऐलान

सुपरस्टार धनुष ने हमेशा अपनी दमदार एक्टिंग से फैंस का दिल जीता है। उनकी फिल्मों को दर्शकों का ताबडतोड़ प्यार मिलता है। इन सबके बीच अब धनुष पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभाते नजर आएंगे। एक्टर को कलाम साब के किरदार में देखने के लिए फैंस काफी एक्साइटेड हो गए हैं। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में हाल ही में यह घोषणा की गई कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर बायोपिक बनायी जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओम राउत करेंगे। वहीं धनुष इस फिल्म में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभायेंगे। इस फिल्म का निर्माण अभिषेक अग्रवाल और भूषण कुमार (टी–सीरीज) कर रहे हैं, और स्क्रीनप्ले साईविन क्वाड्रास ने लिखा है। निर्माता अभिषेक अग्रवाल ने कहा, हम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के एपिक लाइफ को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं। यह हमारे लिए एक इमोशनल पल है। मैं भारतीय सिनेमा के दिग्गज टी–सीरीज के भूषण जी, ओम राउत जी और धनुष जी के साथ काम करके सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। हमें यह कहानी बताने का सौभाग्य मिला है और हम इस प्रोजेक्ट में अपना सब कुछ दे रहे हैं। निर्माता भूषण कुमार ने कहा– डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। टी–सीरीज के लिए ये फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, एक ट्रिब्यूट है। यह ओम राउत के साथ हमारी तीसरी फिल्म है और धनुष और अभिषेक अग्रवाल के साथ ये सहयोग और भी खास बन गया है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक ऐसे व्यक्ति को श्रद्धांजलि है जिसने हमें दिखाया कि कैसे सपने, समर्पण और विनम्रता एक राष्ट्र के भविष्य को आकार दे सकते हैं। ओम राउत ने कहा, कलाम सर एक ऐसे नेता थे जो राजनीति के परे थे। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो शिक्षा, उत्कृष्टता और स्वदेशी इनोवेशन की ताकत के लिए जाने जाते थे। उनकी कहानी को स्क्रीन पर लाना एक कलात्मक चुनौती और एक नैतिक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी है। यह एक ऐसी कहानी है जो ग्लोबल यूथ और खास तौर पर ग्लोबल साउथ के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। ये मेरी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है।

वेबसीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' के लिए कड़ी मेहनत कर रहे अली फजल, एक्शन सीक्वेंस की तैयारी के लिए ली जूजुत्सु की ट्रेनिंग

बॉलीवुड एक्ट्रेस अली फजल ने इन दिनों वेबसीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसकी शूटिंग के लिए वो खूब कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में एक्टर ने एक्शन सीक्वेंस की तैयारी के लिए इटैलियन ब्लैक बेल्ट होल्डर उम्बर्टो बारबागालो से जूजुत्सु की ट्रेनिंग ली है। राज और डीके की क्रिएटिव टीम के नेतृत्व में बन रही इस सीरीज की शूटिंग कुछ हफ्तों में मुंबई में फिर शुरू होने जा रही है। इस दौरान कई, जबरदस्त एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जिनके लिए शारीरिक रूप से फिट और तैयार रहना बेहद जरूरी है। अली फजल ने इन सीन्स को रियलिस्टिक तरीके से करने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया है। वह पिछले एक महीने से इटली के जाने–माने मार्शल आर्ट एक्सपर्ट और ब्लैक बेल्ट होल्डर उम्बर्टो बारबागालो के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, "अली शुरू से ही इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि वह एक्शन सीन के लिए खुद को ठीक से ट्रेन करना चाहते हैं। वो बॉडी डबल पर निर्भर नहीं रहना चाहते थे। इसी वजह से टीम ने उम्बर्टो को ट्रेनिंग के लिए बुलाया, जिससे अली सही तकनीक और स्टाइल के साथ तैयार हो सकें।

एनटीआर ने कहा–देश के हर कोने से मिल रहे प्यार और पॉजिटिविटी से अभिभूत हूं'

साउथ से लेकर नॉर्थ तक लोगों के दिलों पर राज करने वाले एनटीआर, जिन्हें प्यार से मैन ऑफ द मासेस कहा जाता है, उन्होंने वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 के टीजर से एक बार फिर साबित कर दिया कि वह वाकई एक पैन इंडिया सुपरस्टार हैं। जैसे ही वॉर 2 का टीजर रिलीज हुआ, एनटीआर की सुपर–स्पाय अवतार की चर्चा हर ओर छा गई और सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। देशभर से मिल रहे प्यार से एनटीआर गदगद हैं। वे कहते हैं, "एक एक्टर होने का सबसे बड़ा आशीर्वाद यह है कि आपको लोगों से बिना शर्त इतना प्यार मिलता है। यह एक बेहद कीमती और दुर्लभ अनुभव है, और मैं खुद को खुशनसीब मानता हूं। कि मुझे वॉर 2 के लिए यह मिल रहा है। इस फिल्म में मेरा किरदार मेरे लिए एक नया अनुभव था, और इसको निभाने में मुझे बेहद मजा आया।" एनटीआर बताते हैं कि उन्होंने इस किरदार में अपनी पूरी जान झोंक दी है।

गर्मी में त्वचा रहेगी ग्लोइंग और बेदाग जब आजमाएंगी ये 4 स्किन केयर टिप्स

गर्मियों का मौसम चल रहा है। इस मौसम में धूप और मिट्टी स्किन को बहुत नुकसान पहुंचाती है, जिसका नतिजा होता है स्किन पर एक्ने, कील–मुहांसे आदि।इससे स्किन डल भी नजर आने लगती है। इसलिए बहुत जरूरी है इस मौसम में चेहरे की खास देखभाल। चलिए आज हम यहां आपको बताएंगे कि गर्मी के मौसम स्किन की देखभाल करने के आसान टिप्स...

गर्मियों में ऐसे करें स्किन की देखभाल

स्किन को ध्यान में रखकर करें फेस वॉश का चयन

गर्मी के मौसम में स्किन ऑयली हो जाती है। ऐसे में आपको स्किन से एक्सट्रा ऑयल को निकालना चाहिए। इसके लिए आप अपनी स्किन को ध्यान में रखकर फेसवॉश चुनें। इससे चेहरे की गहराई से सफाई करें। इससे स्किन पर जमा गंदगी और धूल–मिट्टी निकल जाती है और एक्ने से बचाव होता है।

स्किन को हाइड्रेट रखें

गर्मी में स्किन को हाइड्रेट रखना बहुत जरूरी है, क्योंकि हमारी बॉडी से पसीना निकलता है।जिससे स्किन डिहाइड्रेट हो जाती है। इसलिए स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए हाइड्रेटिंग फेस मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके साथ ही स्किन को हाइड्रेट रखने के लिए खूब पानी पिएं।

डेड स्किन सेल्स निकालें

स्किन को एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी होता है। इसलिए स्किन को एक्सफोलिए करने से चेहरे पर जमा गंदगी, एक्सट्रा ऑयल निकल जाता है। इसके लिए आप किसी अच्छे स्क्रबर का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप चाहें तो चीनी और कॉफी का स्क्रबर तैयार कर सकते हैं।

सूरज की किरणों से यूं करें बचाव

सूरज की किरणों से स्किन को नुकसान पहुंचता है। ये आपको समय से पहले बूढ़ा बना सकती हैं, इसलिए बाहर जाने से पहले चेहरे पर सनस्क्रीन जरूर लगानी चाहिए। ऐसा करने से स्किन टैनिंग से बचेगी साथ ही काले–धब्बे भी नहीं पड़ेंगे।

रोटी परोसते समय की ये गलतियां तो रुठ जाएंगी धन की देवी मां लक्ष्मी !

वास्तु का व्यक्ति के जीवन में बहुत ही खास महत्व होता है। घर बनाने से लेकर किचन हर चीज के लिए वास्तु शास्त्र में कुछ नियम बताए गए हैं। यदि व्यक्ति इन वास्तु नियमों का पालन न करे तो जीवन में उसे कई तरह के नुकसान झेलने पड़ सकते है। वास्तु नियमों का पालन करने से घर में पॉजिटिव एनर्जी का वास होता है। इसके अलावा इस शास्त्र में खाना परोसने के भी कुछ नियम बताए गए हैं। वास्तु मान्यताओं के अनुसार, रोटी परोसते समय इन वास्तु नियमों का ध्यान रखना जरुरी है। तो चलिए आपको बताते हैं रोटी परोसने से पहले किन वास्तु नियमों का पालन करना जरुरी है...

न दें हाथ में रोटी

मान्यताओं के अनुसार, कभी भी हाथ में रोटी नहीं देनी चाहिए। इससे घर में दरिद्रता फैलती है। इसके अलावा रोटी हमेशा खाने की प्लेट में ही रखनी चाहिए। हाथ में रोटी देने वास्तु शास्त्र में शुभ नहीं माना जाता है।

थाली में न परोसें तीन रोटियां

इसके अलावा थाली में रोटी परोसते समय भी वास्तु नियमों का पालन करना चाहिए। रोटी परोसते समय कभी भी एक थाली में तीन रोटियां नहीं देनी चाहिए। आप दो या 4 रोटियां व्यक्ति को दे सकते हैं। तीन रोटी देना वास्तु शास्त्र में अशुभ माना जाता है।

जरुरत से ज्यादा ही बनाएं रोटियां

वास्तु शास्त्र की मानें तो रोटियां हमेशा घर में जितने सदस्य हों उनसे ज्यादा बनानी चाहिए। वहीं पहली रोटी गाय और आखिरी रोटी कुत्ते को खिलाना शुभ मानी जाती है। इससे घर में बरकत होती है।

न खाएं बासी आटे की रोटी

बासी आटे की रोटी खाना भी वास्तु मान्यताओं के अनुसार, शुभ नहीं माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इससे घर में पारिवारिक कलेश उत्पन्न होने लगता है। इसके अलावा बासी रोटी का संबंध राहु से माना जाता है ऐसे में इस रोटी को आप कुत्ते को खिला सकते हैं।

स्किन एक्सपर्ट्स से जानिए 15 दिन में फेशियल कराने के फायदे, चेहरा दिखेगा बेहद खूबसूरत

इस बात में तो कोई दो राय नहीं है कि त्वचा को हर थोड़े दिनों में डीप क्लीन किए जाने की जरूरत होती है। साथ ही नरिशमेंट भी बेहद अहम होता है। फेशियल इन दोनों ही जरूरतों को काफी अच्छे से पूरा करता है। यही कारण है कि आप किसी भी स्किन एक्सपर्ट्स के पास जाएं, वह आपको फेशियल करवाने की सलाह जरूर देगा।

आमतौर पर महिलाओं महीने में एक या दो बार फेशियल करवाती है। लेकिन अगर आप महीने में दो बार यानि की हर 15 दिन पर फेशियल करवाएंगी तो इससे स्किन को ज्यादा फायदा होगा।

15 दिन में फेशियल

15 दिन में एक बार फेशियल करवाने से आपकी स्किन क्लीन रहती है। इसके अलावा यह पोर्स को साफ करने के साथ ही डेड स्किन को भी हटाता है। ब्लेकहेड्स से लेकर वाइटहेड्स को रिमूव करता है। ऐसे में जब महीने में दो बार स्किन को डैमेज करने वाली चीजों को रिव किया जाएगा तो आपकी स्किन ज्यादा हेल्दी और ग्लोइंग बनी रहेगी।

जानिए क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

डर्मेटोलॉजिस्ट रश्मी शेट्टी ने अपना वीडियो शेयर करते हुए इस बारे में पूरी जानकारी दी है। उनका कहना है कि फेशियल करवाने को लेकर कोई रूल सेट नहीं है। लेकिन अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप महीने में दो बार फेशियल करवा सकती हैं। इससे आपकी स्किन हाइड्रेशन पाने के साथ ही चेहरे को प्लम्प लुक मिलेगा।

डॉक्टर ने बताया कि जिन लोगों की स्किन में पोर्स जल्दी क्लघॅग हो जाते हैं या जल्दी ब्लैकहेड्स और वाइटहेड्स आ जाते हैं। वह 15 दिन में 2 बार क्लीनप करवा सकते हैं। डॉक्टर के अनुसार, सेंसेटिव स्किन वालों को सोच–समझकर फेशियल करवाना चाहिए। क्योंकि ऐसे लोगों की स्किन जल्दी इरिटेट हो जाती है। जिसके कारण नई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे काम करता है फेशियल

फेशियल स्किनकेयर ट्रीटमेंट होता है। जिसमें अलग–अलग प्रॉडक्ट्स और टेक्नीक्स इस्तेमाल की जाती हैं। इनके कॉम्बिनेशन की मदद से एक से डेढ़ घंटे के अंदर ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने का प्रयास किया जाता है।

इसके अलावा सूदिंग मास्क एंड क्रीम्स से स्किन को हाइड्रेशन दिया जाता है।

फेशियल के दौरान यूज किए जाने वाले हैंड मूवमेंट्स एजिंग साइन्स को कम करने और फेश के शेप को उभारने में मदद करते हैं।

ऐसे किया जाता है फेशियल

पहले चेहरे को क्लेंजर से साफ किया जाता है।

फिर स्क्रब कर स्किन एक्सफॉलिएट की जाती है।

इसके बाद टैनिंग रिमूव करने के लिए फेस पर 10 से 15 मिनट के लिए मास्क लगाया जाता है।

खासतौर पर तैयार क्रीम्स से फेस की मसाज की जाती है। मसाजिंग टेक्नीक्स की मदद से स्किन रिलैक्स होने के साथ ही फेस कॉन्टूरिंग पर फोकस किया जाता है।

फिर चेहरे को साफ कर फेस पैक 10–15 मिनट के लिए अप्लाई किया जाता है।

लास्ट स्टेप में फेस को साफ करने के बाद फेस क्रीम और सनस्क्रीम लगाई जाती है।

घर पर करें फेशियल

पहले किसी जेंटल फेस वघॅश से अपने चेहरे को क्लीन करें।

इसके बाद होम मेड या मार्केट से खरीदे गए स्क्रब से 5 मिनट कर स्क्रबिंग करें।

फिर फेस स्टीम लें और मॉइस्चराइजर से चेहरे की 10 मिनट तक मसाज करें।

इसके बाद चेहरे को साफ करने के बाद चेहरे पर 15 मिनट के लिए फेस पैक अप्लाई करें

फिर हल्के गुनगुने पानी से फेस को क्लीन करें और क्रीम लगाएं।

आप लास्ट स्टेप में बादाम तेल या फिर स्किन को सूट करने वाला कोई ऑयल लगाएं।

इन तीन कारणों से थायराइड रोग का हो सकते हैं आप शिकार, शरीर देता है ऐसे संकेत

थायरॉइड गले में तितली के आकार का ग्ध्लैंड होता है। यह गले में ठीक सामने की ओर मौजूद होता है। थायरॉयड ग्ध्लैंड हार्मोन बनाता है, जो व्यक्ति के शरीर के मेटाबॉलिज्म (हम जो भोजन खाते हैं, यह उसे ऊर्जा में बदलने का काम करता है) को बढ़ाने का काम करता है। साथ ही यह बॉडी सेल्स को कंट्रोल करने का काम करता है। शरीर की सभी प्रक्रियाओं को थायरॉइड हार्मोन नियंत्रित करता है। जब इस ग्ध्लैंड में गड़बड़ी हो जाती है तो व्यक्ति को थायरॉइड से संबंधित रोग होते हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि थायरॉइड किन चीजों से बढ़ने लगता है। इस बारे में न्यूट्रिशनिस्ट मनोली मेहता जानकारी दे रही हैं। बता दें कि न्यूट्रिशनिस्ट मनोली मेहता डायबिटीज शिक्षक और वेट मैनेजमेंट स्प्धेशलिस्ट्ट हैं। लेकिन उससे पहले हले थायरॉइड बढ़ने के लक्षणों के बारे में जानकारी होना जरूरी है।

लक्षण

मसल्स में कमजोरी और दर्द

दिल की धड़कन बढ़ना

पीरियड्स में गड़बड़ी

बालों का झड़ना

ज्यादा भूख लगना

ज्यादा पसीना आना

चिड़चिड़ापन

वेट लॉस

घबराहट

अनिद्रा

सेलेनियम की कमी

हाशिमोटो (यह एक ऑटोइम्यून विकार है, जो थायरॉयड सेल्स को नष्ट कर देता है) से पीड़ित व्यक्तियों में सेलेनियम की कमी सबसे आम पोषक तत्व की कमी होती है। बता दें कि यह पोषक तत्व थायरॉइड के कामों के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इसलिए इसके सप्लीमेंट लेने से न सिर्फ ऑटोइम्यून रोग के ट्रिगर्स से बचने में सहायता मिलती है। बल्कि थायरॉइड एंटीबॉडी के हाई लेवल को भी कम करने का काम करता है। सेलेनियम ग्लूटाथियोन का उत्पादन करता है, जिसके कारण थायरॉयड ग्लैंड को सूजन से बचाता है। यह एक एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करता है। साथ ही यह बालों को झड़ने से भी रोकता है।

ग्लूटेन का सेवन

ग्लूटेन में पाए जाने वाले प्रोटीन को ग्लियाडिन कहा जाता है। इसकी मॉलिक्यूलर संरचना थायरॉइड के जैसी होती है। इसलिए जब भी ग्लूटेन वाले खाने को खाया जाता है, तो यह ब्लडस्ट्रीम में प्रवेश कर जाता है। ब्लडस्ट्रीम में जाने पर यह खाने को पचाने की जगह उस पर हमला करना शुरू कर देता है। साथ ही ग्लूटेन के सेवन से शरीर में एलर्जी और सूजन की समस्या भी हो सकती है।

कॉर्ब्स से भरपूर ब्रेकफास्ट्ट

हर व्यक्ति को डाइट में कम से कम कार्बोहाइड्रेट वाली चीजों को शामिल करना चाहिए। क्योंकि इनमें कैलोरी की मात्रा अधिक पाई जाती है। अधिक कैलोरी थायरॉइड के काम में रुकावट पैदा करती है। इसके साथ ही कार्ब्स के सेवन से मेटाबॉलिक रेट धीमा हो जाता है। इसलिए आपको अपने दिन की शुरूआत अच्छी गुणवत्ता वाले प्रोटीन कॉम्प्लेक्स कार्ब्स आदि से करनी चाहिए। अपनी डाइट में आप एवोकाडो, अंडे, ग्लूटेन फ्री ब्रेड या ओट्स, अखरोट, ब्लूबेरी और बादाम के दूध को शामिल कर सकते हैं।

इन देशों में कार–बाइक की जगह नावों में घूमते हैं लोग, पानी पर बसे हैं ये शहर

हनीमून पर जाना हो, या हॉलिडे मनाना हो, हर कोई चाहता है कि उनकी डेस्टिनेशन सुंदर और अनोखी होनी चाहिए। अगर आप भी किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं, तो दुनिया भर में कई खूबसूरत शहर और कस्बे मौजूग हैं। इन जगहों पर एक–जगह से दूसरी जगह पर जाने के लिए नाव करनी पड़ती है। यन जगहों पर आपको सड़क नहीं मिलेगी। अगर आप भी इन जगहों पर जाते हैं तो वहां पर आप नाव के जरिए इधर–उधर जा सकते हैं। आइए जानते हैं उन जगहों के बारे में...

सुझाऊ

सुझाऊ चीन का एक गांव है। इस गांव का अपना इतिहास रहा है। बता दें कि यहां के लोगों को नाव से चलना काफी पसंद है। इसलिए आपको यहां पर पेड़ों के आपसाप नहरों में ढेरों चलती हुई नाव देखने को मिलेंगी।

एनेसी

फ्रांस का एनेसी पानी पर बसा हुआ है। आपको यहां पर कुछ ही मीटर पर कई ब्रिज देखने को मिलेंगे। यहां पर नहर के किनारे काफी संख्या में रेस्तरां बने हैं। इन रेस्तरां में आप सुबह की चुस्कियां लेने के लिए पहुंच सकते हैं। बता दें कि यह जगह लार्ड एनेसी के नाम बनी हुई है।

वेनिस

वेनिस शहर की गिनती इटली के सबसे खूबसूरत शहरों में आता है। यह पूरा शहर पानी में बसा हुआ है। इस शहर को छोटे–छोटे आइसलैंड के साथ मिलकर बनाया है। अगर आप भी इटली घूमने जाएं तो एक बार गंडोला राइड का लुत्फ जरूर लें। यहां पर आपको एक भी सड़क नहीं दिखेगी।

गेनवी

अफ्रीका का छोटा गांव गेनवी अपनी खूबसूरती के लिए जाना जाता है। गेनवी की आजादी करीब 20 हजार के आसपास है। यह गांव नोकुई झील के बीच पर बसा है। यहां पर लोग नाव पर बैठकर बिजनेस करते हैं। घूमने के लिहाज से यह बेहतरीन जगह है।

स्टॉकहोम

स्वीडन की राजधानी स्कॉटहोम भी एक खूबसूरत शहर है। यह 14 आइसलैंड पर बना है। बता दें कि स्कॉटलैंड में 50 से ज्यादा ब्रिज मौजूद हैं। झील के किनारे बना यह शहर अपनी नीली इमारतों के लिए भी जाना जाता है।

संक्षिप्त

विप्रो के कार्यकारी चेयरमैन की सैलरी में हुआ इजाफा, सीईओ को भी हुआ लाभ

ग्लोबल मार्केट में कई चुनौतियां देखने को मिल रही है। आईटी कंपनियों के मुनाफे में चौथी तिमाही में कमी दिखी है। इसका प्रभाव कंपनी के स्टॉक पर भी देखने को मिला है। कर्मचारियों की वेतन बढ़ोतरी पर भी ये असर दिखा है। कई कंपनियों ने वेतन नहीं बढ़ाया है। कई कंपनियों काफी कम वेतन बढ़ोतरी की है। इस बीच कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के वेतन में बढ़ोतरी हुई है। देश की चौथी बड़ी आईटी कंपनी विप्रो ने कंपनी के शीर्ष अधिकारियों के वेतन में इजाफा किया है। कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन का पैकेज अब दोगुणा हो गया है। कंपनी की सालाना रिपोर्ट की मानें तो विप्रो के कार्यकारी चेयरमैन रिशद प्रेमजी का वेतन दोगुणा बढ़ाकर अब 13.7 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कंपनी के सीईओ श्रीनिवास पलिया से ये सैलरी एक चौथाई ही है। श्रीनिवास पलिया का वेतन करीब 53.64 करोड़ रुपये सालाना का है। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान अजीम प्रेमजी ने किसी तरह का कमीशन नहीं लिया था। इस वर्ष उनकी कंपनी का मुनाफा काम रहा था। कंपनी ने नेगेटिव एस्पेक्ट में ग्रोथ की थी। इस दौरान प्रेमजी ने अपने वेतन में 20 फीसदी की कटौती करवाई थी। वित्त वर्ष 2024–25 में कंपनी को 18.9 फीसदी का शुद्ध लाभ हुआ है जो कि 13,135.4 करोड़ रुपये है। ऐसे में एक फाइलिंग में विप्रो ने बताया कि प्रेमजी का पारिश्रमिक वित्तवर्ष 2024–25 में दोगुना होकर करीब 13.7 करोड़ रुपये किया गया है। ये वित्तवर्ष 2023–24 के दौरान लगभग 6.4 करोड़ रुपये था। इस फाइलिंग के मुताबिक सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के पद पर आसीन श्रीनिवास पलिया ने वित्तवर्ष 2024–25 में 53.64 करोड़ रुपये वेतन के तौर पर लिए है। बता दें कि वर्तमान में विप्रो के सीईओ को चेयरमैन से दोगुणा वेतन मिलता है। मगर इससे पहले जो सीईओ थे उनका वेतन तीन गुणा अधिक था। कंपनी के पूर्व सीईओ ने 168 करोड़ रुपये वेतन के तौर पर लिए है। विप्रो ने मार्च में घोषणा की थी कि 18 फीसदी का शुद्ध मुनाफा हुआ है। हालांकि मुनाफा होने के बाद भी कंपनी ने कर्मचारियों के वेतन बढ़ोतरी पर कोई काम नहीं किया है।

माइक्रोसॉफ्ट में जो लेकर आई AI सिस्टम, उनकी नौकरी ही कर दी गई खत्म, रिपोर्ट्स में खुलासा

माइक्रोसॉफ्ट में इन दिनों छंटनी की जा रही है। हाल ही में हुई छंटनी के दौरान 6000 लोगों पर गाज गिरी है। कंपनी ने इस छंटनी में बड़ी संख्या में सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को भी बाहर का रास्ता दिखाया है। इस छंटनी में लगभग 40 फीसदी साफ्टवेयर इंजीनियरों की नौकरी गई है। रिपोर्ट्स की मानें तो कंपनी ने बीते कुछ महीनों पहले कहा था कि कंपनी में इजीनियर्स को एआई टूल्स का उपयोग अधिक करना चाहिए। जिन लोगों को नौकरी से निकाला गया है उनमें इंजीनियर्स भी शामिल है। कंपनी ने एआई पर अधिक निर्भरता बढ़ाने के लिए कहा था। अब एआई के कारण ही इंजीनियर्स को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। द इंफरमेशन की रिपोर्ट की मानें तो माइक्रोसॉफ्ट के वीपी ने अपनी टीम से ओपन एआई पावर्ड चौटबॉट का उपयोग 50 फीसदी कोड्स को जनरेट करने के निर्देश दिए थे। माइक्रोसॉफ्ट के वीपी की टीम में कु 400 कर्मचारी थी, जिन्हें कई महीनों के बाद अब नौकरी से हटा दिया गया है। एआई का सबसे अधिक असर इन पर ही हुआ है। अब सवाल ये भी है कि इन लोगों ने ही अपने रिप्लेसमेंट को ट्रेनिंग भी दी है। कंपनी के सीईओ सत्या नडेला ने खुलकर एआई पर बात करते हुए कहा कि अब कंपनी में एआई महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एआई लगभग दो तिहाई कोड्स कई प्रोजेक्ट्स में लिख रहा है। बता दें कि एआई के कारण जिन लोगों की नौकरी जा रही है उसमें जूनियर कोडर्स ही नहीं बल्कि प्रोडक्ट मैनेजमेंट और टेक्निकल प्रोग्राम मैनेजमेंट रोल्स पर भी असर हो रहा है। माइक्रोसॉफ्ट में हुई इस छंटनी के लिए मूल रूप से एआई को ही जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। कंपनी एआई पर अपनी निर्भरता काफी बढ़ा रही है। जानकारी के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट में हो रही छंटनी के कारण कोडर्स ही नहीं बल्कि अन्य विभाग के कर्मचारियों पर भी असर हो रहा है। जनवरी–मार्च के दौरान अच्छी कमाई कंपनी ने की थी। इसके बाद भी छंटनी में कमी नहीं की गई है। यहां तक कि कंपनी की डायरेक्टर ऑफ एआई ळंइतपमसं कम फनमपतव्र ने भी बताया था कि वो भी छंटनी में प्रभावित हुई है।

सोने की कीमत में आई गिरावट, दिल्ली में 90 हजार से नीचे पहुंचे दाम

संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था में इन दिनों काफी अनिश्चितता देखने को मिल रही है। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी आई है। वहीं सोने की कीमत ने दम दिखाया है। निवेशकों की मानें तो शेयर बाजार में इन दिनों उतार चढ़ाव देखने को मिल रहा है। वहीं सोने और चांदी में इस समय निवेश का अच्छा माहौल बना हुआ है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीते एक वर्ष में सोने की खरीददारी में 30 फीसदी की बढ़त हुई है। वर्ष 2001 से अब तक सोने के कारण 15 फीसदी का सालाना रिटर्न मिला है। वर्ष 1995 के बाद से सोने ने महंगाई को मात दी है। बता दें कि इस वर्ष अक्षय तृतीया से पहले भी सोने की कीमत में शानदार बढ़ोतरी देखने को मिली थी। सोने की कीमत इस दौरान लगभग एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई थी। वहीं चांदी में निवेश करने वालों के लिए भी खुशखबरी है क्योंकि चांदी ने भी दमदार रिटर्न दिए है। शनिवार 24 मई को भारत में सोने की कीमत प्रति 10 ग्राम 96,400 रुपये पर पहुंच गई है। चांदी की कीमत इस दौरान 97,935 रुपये प्रति किलोग्राम पहुंची है। मुंबई में 10 ग्राम सोना 96,680 रुपये में उपलब्ध है। वहीं चांदी की कीमत 98,060 रुपये प्रति किलो है। इसके अलावा चेन्नई में सोने की कीमत 96,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंची है। चांदी की कीमत 98,340 रुपये प्रति किलोग्राम है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 96,510 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गई है। इस दौरान चांदी की कीमत 97,890 रुपये प्रति किलोग्राम बनी हुई है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम घोषित; साई–अर्शदीप नए चेहरे, करुण नायर की वापसी

मुंबई। इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान चुना गया है। वहीं, ऋषभ पंत टेस्ट में नए उपकप्तान हैं। गिल भारत के 37वें टेस्ट कप्तान हैं। इसके अलावा करुण नायर की आठ साल बाद भारतीय टीम में वापसी हुई है। शार्दुल ठाकुर भी भारतीय टीम में वापसी कर रहे हैं। इसके अलावा भारतीय–ए टीम के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को भी मौका दिया गया है। साई सुदर्शन और अर्शदीप सिंह टेस्ट टीम में दो नए चेहरे हैं। भारतीय टीम में छह मुख्य बल्लेबाज, दो विकेटकीपर बल्लेबाज, दो स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर, दो पेस बॉलिंग ऑलराउंडर और पांच मुख्य तेज गेंदबाज और एक विशेषज्ञ स्पिनर है।

भारतीय टीम का इंग्लैंड दौरा (शेड्यूल)

भारतीय टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट 10 जुलाई से लॉर्ड्स में खेला जाएगा, जबकि चौथा टेस्ट मैनचेस्टर में 23 जुलाई से खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट 31 जुलाई से लंदन के ओवल में खेला जाएगा। इस सीरीज के साथ ही भारत के नए विश्व टेस्ट चौंपियनशिप चक्र (2025–27) की शुरुआत भी हो जाएगी।

बुमराह को इसलिए नहीं बनाया गया कप्तान

रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद से ही गिल को लेकर चर्चा चल रही थी। हालांकि, कई पूर्व क्रिकेटर्स ने जसप्रीत बुमराह का भी पक्ष लिया था। टीम का एलान करते समय अगरकर ने कहा, श्बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले उपकप्तान और फिर कप्तान भी रहे, लेकिन कप्तानी करते वक्त उन पर अतिरिक्त दबाव रहता है। वह हमारे लिए एक खिलाड़ी के तौर पर ज्यादा जरूरी हैं। हम चाहते हैं कि वह फिट रहें और जीत में योगदान दें। कप्तानी करते हुए खुद की गेंदबाजी के अलावा 15–16 लोगों को मैनेज करना होता है और हम उन पर दबाव नहीं डालना चाहते थे।श वहीं, केएल राहुल को कप्तान

नहीं बनाने को लेकर अगरकर ने कहा कि वह पहले कप्तान रह चुके हैं और हमारे रडार में उनका नाम नहीं था। हम एक ऐसे कप्तान को चाहते थे जो आगे कुछ समय तक भारतीय टीम का नेतृत्व कर सके।

तीन खिलाड़ियों को किया गया बाहर

इतना ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गई टीम इंडिया से कुछ खिलाड़ियों को बाहर भी किया गया है। इनमें सरफराज खान, देवदत्त पडिक्कल, हर्षित राणा शामिल हैं। ये तीनों ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शामिल थे। पडिक्कल इस वक्त चोटिल चल रहे हैं और आईपीएल से भी बाहर हो चुके हैं। आरसीबी ने उनकी जगह मयंक अग्रवाल को शामिल किया है। सरफराज और हर्षित को इंग्लैंड दौरे पर जा रही ए टीम में जगह दी गई है, लेकिन मुख्य टीम में वे जगह बनाने में नाकाम रहे। इनकी जगह जिन पांच नए खिलाड़ियों ने ली, उनमें साई सुदर्शन, करुण नायर, शार्दुल ठाकुर, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव शामिल हैं। आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर गए रोहित शर्मा और विराट कोहली टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। ऐसे में दो और खिलाड़ी भारतीय टेस्ट में जगह बनाने में कामयाब रहे।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीमरू शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर/उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

शुभमन गिल क्यों बने टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान ? अगरकर ने किया खुलासा

भारतीय पुरुष सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने शनिवार को मुंबई में इंग्लैंड के खिलाफ बहुप्रतीक्षित पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। अजीत अगरकर ने पुष्टि की कि जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। शुभमन गिल को भारत का नया टेस्ट कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत सबसे लंबे प्रारूप में उनके उप कप्तान होंगे। अगरकर ने इस बात पर जोर दिया कि कप्तान का चयन एक या दो सीरीज के लिए नहीं किया जाता है और ऐसे फैसले लेते समय दीर्घकालिक योजना को ध्यान में रखना चाहिए। शुभमन गिल को कप्तान चुनने पर भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि आप 1–2 दौरे के लिए कप्तान नहीं चुनते हैं। आप ऐसी चीज में निवेश करना चाहते हैं जो हमें आगे बढ़ने में मदद करे। हमने पिछले 2 वर्षों में उनमें कुछ प्रगति देखी है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि इंग्लैंड में 5 मैचों की सीरीज खेलना कठिन होगा। शायद हमें काम पर थोड़ा सीखना होगा, लेकिन हम बहुत आश्वस्त हैं और यही कारण है कि हम उन्हें चुन रहे हैं। जसप्रीत बुमराह के बारे में भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह सभी 5 टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे, जैसा कि फिजियो और डॉक्टरों ने हमें बताया है। वे इस पर फैसला लेंगे कि वह 3–4 टेस्ट के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं। अगर वह 3–4 टेस्ट के लिए उपलब्ध रहते हैं, तो वह हमें कुछ टेस्ट मैच जिताएंगे... हमें खुशी है कि वह टीम का हिस्सा हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के इस महीने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद टीम के नेतृत्व पर चयनकर्ताओं का यह फैसला अपेक्षित था। इन दोनों दिग्गजों के संन्यास के बाद टीम बदलाव के दौर से गुजरेगी जिसमें इंग्लैंड में उसकी कड़ी परीक्षा होगी। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। 25 साल के गिल भारत के पांचवें सबसे युवा टेस्ट कप्तान होंगे।

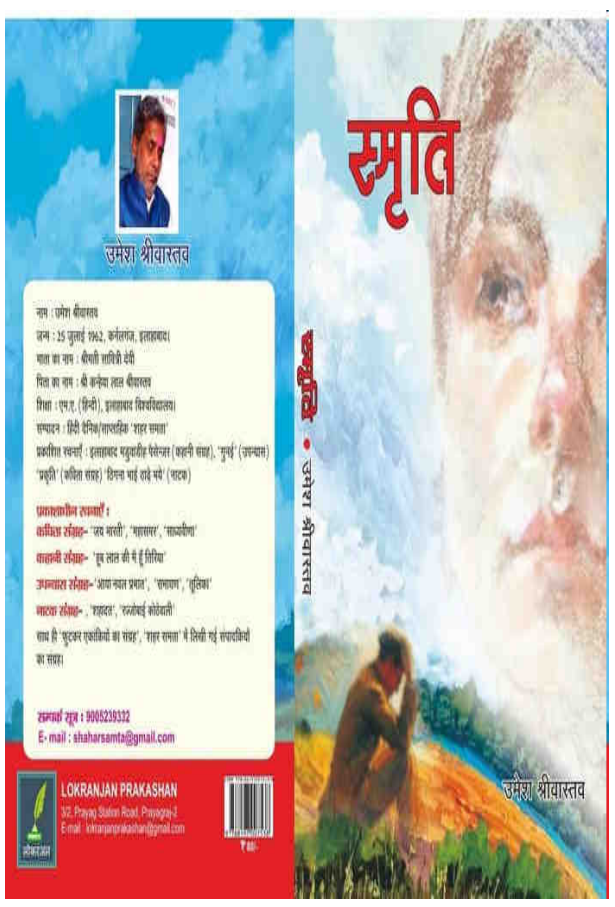

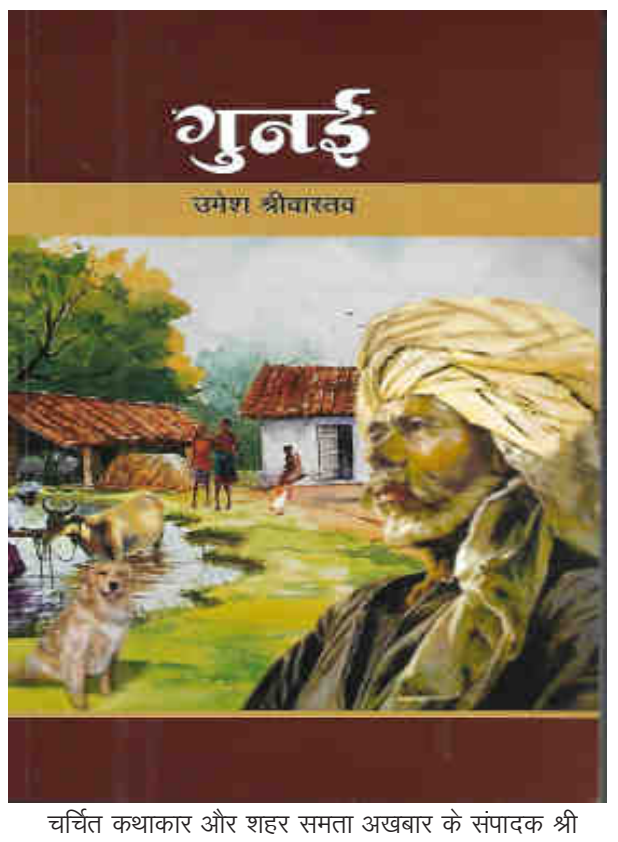

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

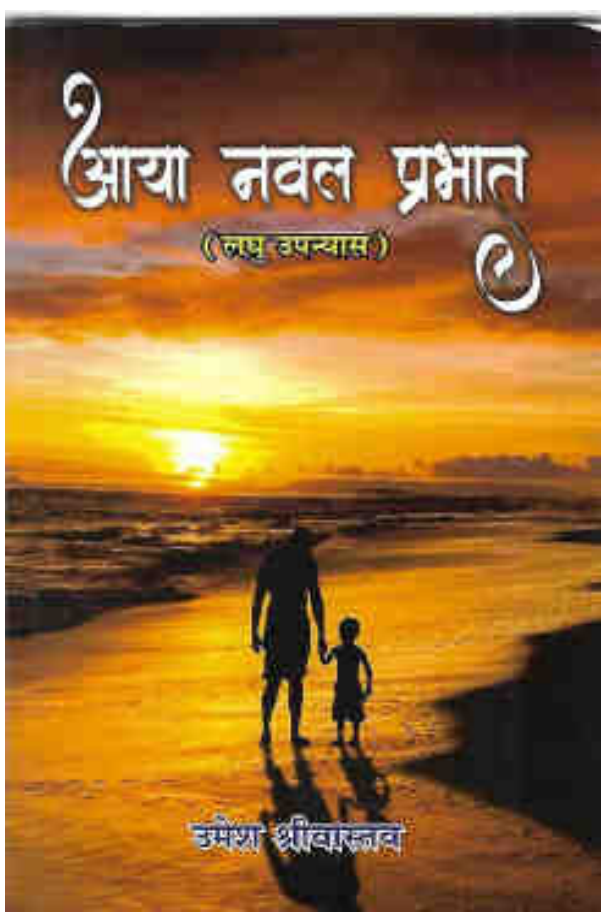

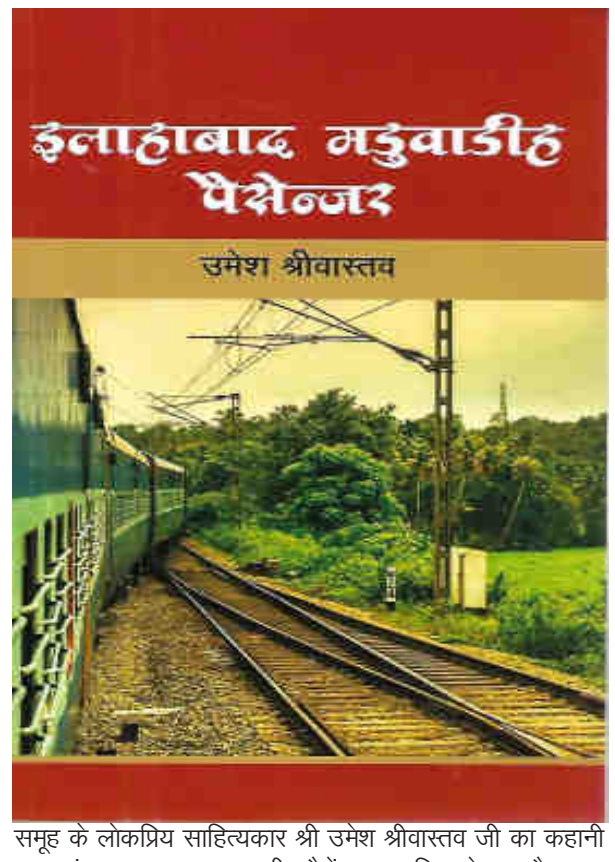

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

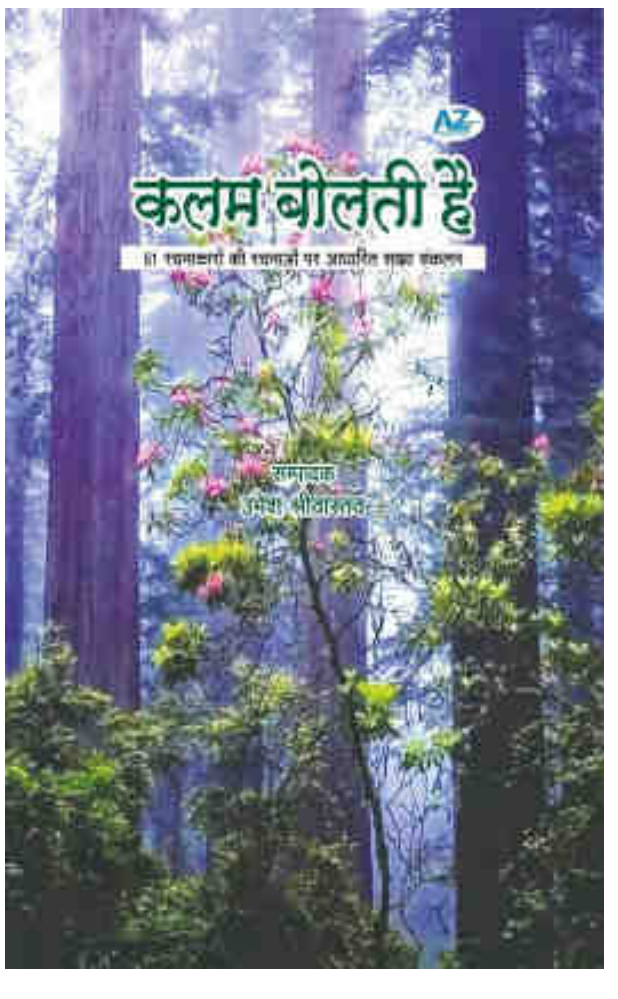

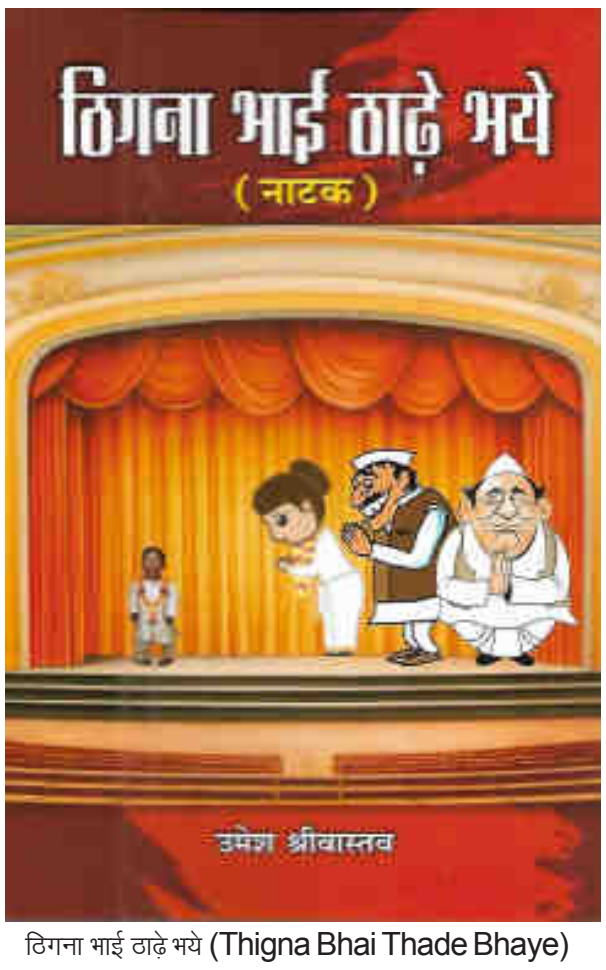

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त समाचार

भारत जाना चाहते हैं तो जाएं, लेकिन अमेरिका में शुल्क बिना बिक्री नहीं होगी : ट्रंप ने एप्पल से कहा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि एप्पल यदि भारत में संयंत्र लगाना चाहता है तो ठीक है लेकिन ऐसा करने पर प्रौद्योगिकी क्षेत्र की यह कंपनी बिना शुल्क के अमेरिका में अपने उत्पाद नहीं बेच पाएगी। ट्रंप की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उन्होंने अमेरिकी परमाणु ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अपने कार्यालय 'ओवल ऑफिस' में कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा ''...लेकिन टिम (कुक) के साथ मेरी सहमति थी कि वह ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि वह संयंत्र बनाने के लिए भारत जा रहे हैं। मैंने कहा, ''भारत जाना है, तो ठीक है लेकिन आप शुल्क के बिना यहां बिक्री नहीं कर पाएंगे' और ऐसा ही है।'' उन्होंने कहा, ''हम आईफोन के बारे में बात कर रहे हैं। अगर वे इसे अमेरिका में बेचना चाहते हैं तो मैं चाहता हूं कि इसे अमेरिका में ही बनाया जाए।'' ट्रंप ने इससे पहले शुक्रवार सुबह सोशल मीडिया पर एक 'पोस्ट' में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि अमेरिका में बेचे जाने वाले एप्पल आईफोन का विनिर्माण अमेरिका में ही किया जाएगा, न कि ''भारत या किसी अन्य स्थान पर।'' उन्होंने धमकी दी कि अगर कंपनी इसका पालन नहीं करती है तो वह उसके उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे। ट्रंप ने लिखा, "मैंने बहुत पहले ही एप्पल के टिम कुक को बता दिया था कि अमेरिका में बेचे जाने वाले उनके आईफोन का विनिर्माण यहीं किया जाएगा, न कि भारत में या किसी अन्य स्थान पर। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एप्पल को अमेरिका को कम से कम 25 प्रतिशत शुल्क का भुगतान करना होगा।'' पिछले सप्ताह ही ट्रंप ने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा के दौरान दोहा में कहा था कि उन्होंने एप्पल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) से कहा है कि वह भारत में निर्माण न करें, बल्कि अमेरिका में अपनी विनिर्माण क्षमता विकसित करें। टिम कुक के नेतृत्व वाली एप्पल कंपनी आईफोन विनिर्माण को चीन से भारत में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही है।

जर्मनी में भयानक चाकूबाजी कांड, अचानक महिला बौखलाई, भीड़ पर करने लगी हमला

जर्मनी में हैम्बर्ग शहर के व्यस्त मुख्य रेलवे स्टेशन पर चाकू से किये गए हमले में कई लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। स्थानीय पुलिस ने संदिग्ध हमलावर की गिरफ़्तारी की पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो में हमले के सिलसिले में पुलिस द्वारा एक महिला को हिरासत में लेते

हुए दिखाया गया है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति ने कथित तौर पर प्लेटफार्म पर ट्रैक 13 और 14 के बीच लोगों को चाकू से निशाना बनाया। बिल्ड के अनुसार, तीन पीड़ितों की हालत गंभीर है, तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं, और छह को मामूली चोटें आई हैं। कुछ का घटनास्थल पर ही ट्रेन में इलाज किया गया। अधिकारियों ने अभी तक मकसद का पता नहीं लगाया है। हैम्बर्ग पुलिस ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति ने मुख्य ट्रेन स्टेशन पर चाकू से कई लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने बताया कि 39 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया है और माना जा रहा है कि उसने अकेले ही इस घटना को अंजाम दिया है। हालांकि, हमले के पीछे के मकसद की तत्काल जानकारी नहीं मिल पाई है। क्षेत्रीय लोक प्रसारक 'एनडीआर' ने बताया कि हमला स्थानीय समयानुसार शाम छह बजे के बाद एक खड़ी ट्रेन के सामने हुआ। हमले के बाद प्लेटफॉर्म पर एक हाई–स्पीड आईसीई ट्रेन के दरवाजे खुले देखे जा सकते थे। जर्मनी में हाल के महीनों में कई हिंसक घटनाएं हुई हैं, जिनमें चाकू घोंपने की घटनाएं भी शामिल हैं। रविवार को, बिलेफेल्ड के एक बार में चाकू घोंपने की घटना में चार लोग घायल हो गए।

यूक्रेन : कीव पर रूसी ड्रोन और मिसाइल से बड़े पैमाने पर हमला

यूक्रेन की राजधानी कीव पर शुक्रवार देर रात ड्रोन और मिसाइल से बड़े पैमाने पर हमला किया गया और पूरे शहर में विस्फोटों की आवाजें सुनाई दीं। इस हमले के कारण कीव के कई लोग भूमिगत 'सबवे स्टेशन' में शरण लेने के लिए मजबूर हो गए। कीव सैन्य प्रशासन के कार्यवाहक प्रमुख तैमूर तकाचेंको ने सोशल मीडिया मंच 'टेलीग्राम' पर कहा कि आसमान में रोकी गईं मिसाइल और ड्रोन का मलबा कम से कम चार जिलों में गिरा। तकाचेंको के अनुसार, हमले के बाद छह लोगों को चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता पड़ी और कीव के सोलोमियान्स्की जिले में दो जगहों पर आग लग गई। हमले से पहले, शहर के मेयर विताली क्लित्स्को ने कीव निवासियों को सचेत किया था कि 20 से अधिक रूसी हमलावर ड्रोन कीव की ओर बढ़ रहे हैं।

अमेरिका एवं चीन से ईमानदारी से बातचीत करेंगे : सिंगापुर के प्रधानमंत्री वोंग

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने कहा कि प्रमुख शक्तियों, विशेषकर अमेरिका एवं चीन के साथ अपने देश के व्यापारिक संबंधों को गहरा करना, उनके साथ सैद्धांतिक तरीके से ईमानदारी से बातचीत करना और उनकी प्रतिद्वंद्विता के बीच नहीं फंसना उनकी प्राथमिकता होगी। वोंग ने शुक्रवार को नयी चुनी गई अपनी सरकार के शपथ ग्रहण के बाद कहा, ''जिन मामलों में हमारे हित समान होंगे, हम उनके (अमेरिका और चीन) साथ (उन मामलों में) मिलकर काम करेंगे।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

जब भी देश की बात होगी, हम सब साथ हैं, जापान में सर्वदलीय सांसदों ने पाकिस्तान को घेरा

टोक्यो। जदयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में जापान पहुंचे भारत के सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को पाकिस्तान को जमकर खरी–खरी सुनाई। जदयू सांसद ने ये भी कहा कि जब बात देश की होती है तो हम सभी राजनीतिक पार्टियां आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं। संजय झा ने पाकिस्तान पर भारत के खिलाफ छद्म युद्ध करने का भी आरोप लगाया।

भारत के खिलाफ छद्म युद्ध लड़ रहा पाकिस्तान

जापान दौरे पर गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जदयू सांसद संजय कुमार झा ने भारतीय समुदाय के साथ बातचीत में कहा, हम पिछले 3 दिनों से जापान में हैं। प्रतिनिधिमंडल में

सत्ताधारी और विपक्षी दलों के सदस्य हैं। हमारे बीच राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, चुनाव हम एक–दूसरे के खिलाफ लड़ते हैं लेकिन जब देश की बात आती है, तो हम सब एक हैं। यह घटना (पहलगाम आतंकी हमला) कोई साधारण घटना नहीं है। पाकिस्तान पिछले 40 वर्षों से छद्म युद्ध लड़ रहा है, क्योंकि वह हमसे सीधा युद्ध नहीं कर सकता। भारत कई दशकों से आतंकवाद के खतरे का सामना कर रहा है। उन्होंने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर उन्हें निशाना बनाया। मैं श्रीनगर गया था, वहां पर्यटन फल–फूल रहा था। जम्मू–कश्मीर में पूरी अर्थव्यवस्था पर्यटन पर आधारित है। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 आतंकी कैंपों को नष्ट किया।

अभिषेक बनर्जी बोले– एक भी नागरिक को नहीं पहुंचाया नुकसान

प्रतिनिधिमंडल में शामिल टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा, हमने पाकिस्तान को दो सप्ताह का समय दिया, यह सोचकर कि वे कुछ कार्रवाई करेंगे और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाएंगे। भारत ने 14 दिनों के बाद एयरस्ट्राइक्स किए और 9 आतंकी ढांचों को नष्ट कर दिया। हमने एक भी नागरिक की जान को खतरे में डाले बिना उन आतंकी ढांचों को नष्ट किया।श उन्होंने यह भी कहा, हम अलग–अलग राजनीतिक दलों से हो सकते हैं, लेकिन हमारा उद्देश्य एक ही है। हमारे प्रतिनिधिमंडल में जॉन ब्रिटास, सलमान खुर्शीद और मैं विपक्षी दलों से हैं, लेकिन जब देश की बात आती है, तो हम सभी एकजुट हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है। इस बार हम सबूत लेकर आए हैं। मैं चाहता हूं कि यहां रहने वाले लोग अपने समुदाय में पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा करें। भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा, आतंक के खिलाफ हर देश में जनमत तैयार करना ही हमारा लक्ष्य है। एक विरोध और क्रोध का भाव चाहिए। जब तक वो विरोध और क्रोध का भाव नहीं होगा तब तक हम आतंकवाद का खात्मा नहीं कर पाएंगे। हमें तथ्यों और आंकड़ों के साथ बहस करनी होगी। अनुच्छेद 370 और 35 ए हटाए जाने के बाद जम्मू–कश्मीर में जिस तरह सबने मिलकर काम किया। शांति और विकास के क्षेत्र में बहुत काम किया गया। यह शांति और विकास किसी का रास नहीं आया और इसीलिए पाकिस्तान की तरफ से अशांति पैदा करने की कोशिश लगातार की जा रही है।

हमने जो रास्ता चुना, वही विश्व शांति का रास्ता

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा, हमारा संकल्प आतंकवाद के खिलाफ और आतंकवाद को समाप्त करने का है। 1947 में दो रास्ते थे। पहले रास्ते में हमने तय किया कि हम सब मिल कर रहेंगे। किसी और ने सिर्फ धर्म के नाम पर देश बनाया। कुछ सालों में यह साबित हो गया कि धर्म के नाम पर देश नहीं बना सकते। बांग्लादेश बना जिसमें भारत का बहुत बड़ा योगदान रहा, हमने जो रास्ता चुना है वही विश्व का रास्ता है। विश्व शांति का रास्ता है।

100 नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल स्टॉफ को प्रशासनिक अवकाश पर भेजा गया

ट्रंप प्रशासन का नया फैसला

ट्रम्प प्रशासन ने अंतरिम राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश मंत्री मार्को रुबियो के तहत पुनर्गठन के हिस्से के रूप में व्हाइट हाउस में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के 100 से अधिक अधिकारियों को प्रशासनिक अवकाश पर भेज दिया है। सीएनएन ने पहले बताया था कि आने वाले दिनों में राष्ट्रपति की विदेश नीति के एजेंडे के समन्वय के लिए जिम्मेदार निकाय में महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद है, जिसमें कर्मचारियों की कटौती और निर्णय लेने की प्रक्रिया को उच्चतम स्तरों पर केंद्रित करते हुए एक मजबूत टॉप–डाउन दृष्टिकोण शामिल है। प्रशासन के एक अधिकारी के अनुसार, एनएससी के चीफ ऑफ स्टाफ ब्रायन मैककॉर्मैक का एक ईमेल

शाम 4:20 बजे के आसपास भेजा गया, जिसमें बर्खास्त किए जा रहे लोगों को अपने डेस्क साफ करने के लिए 30 मिनट का समय दिया गया। ईमेल की विषय पंक्ति में लिखा थारू आपकी घर वापसी एजेंसी, यह दर्शाता है कि प्रभावित होने वाले अधिकांश लोगों को अन्य विभागों और एजेंसियों से एनएससी को विस्तृत जानकारी दी गई थी। गुरुवार को, रुबियो ने प्रिंसिपलों के साथ एक बैठक बुलाई, जिससे अटकलें लगाई गईं कि यह पुनर्गठन के बारे में था, अधिकारी ने कहा। और शुक्रवार को दोपहर 3रू45 बजे, ईमेल भेजे जाने से कुछ समय पहले, वरिष्ठ निदेशकों को रुबियो के साथ बैठक के लिए बुलाया गया। उसके बाद छोड़ने वालों की ओर से व्यक्तिगत संपर्क जानकारी के साथ ईमेल की झड़ी लग गई। चूंकि यह घटना एक लंबी छुट्टी से पहले शुक्रवार की दोपहर को हुई, इसलिए अधिकारी ने इसे यथासंभव अव्यवसायिक और लापरवाहीपूर्ण बताया। छुट्टी पर भेजे गए लोगों में कैरियर अधिकारी, साथ ही ट्रम्प प्रशासन के दौरान नियुक्त किए गए राजनीतिक लोग शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि हाल के हफ्तों में राष्ट्रपति कार्मिक कार्यालय द्वारा कर्मचारियों का फिर से साक्षात्कार लिया जा रहा था क्योंकि कार्यालय का पुनर्गठन किया जा रहा था। एक सूत्र ने बताया कि पूछे गए सवालों में से एक यह था कि अधिकारियों को क्या लगता है कि एनएससी का आकार उचित है।

भारत से संबंध सुधारना चाह रहा कनाडा, कोमागाटा मारू पर पीएम कार्नी के हालिया बयान पर मिल रहे संकेत

नई दिल्ली। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो के समय में भारत के साथ बढ़ी तल्खी को पाटने के संकेत दे रहे हैं। 110 साल से अधिक पुरानी कोमागाटा मारू की घटना पर उनकी टिप्पणी से यह संकेत मिलते हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 1914 की कोमागाटा मारू घटना, जिसमें 376 भारतीय प्रवासियों को कनाडा में घुसने रोक दिया गया था, पर टिप्पणी की है। कार्नी ने कहा है कि यह घटना इस बात की ष्सख्त याद दिलाती हैष् कि हमारा देश अपने मूल्यों से कैसे चूक गया? उन्होंने कनाडा के लोगों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह के अन्याय फिर कभी न दोहराए जाएं। कार्नी ने कहा आइए हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण करें जहां समावेश एक नारा न होकर हकीकत बन जाए। 1914 में, कोमागाटा मारू नामक एक जापानी स्टीमर ने प्रशांत महासागर में एक लंबी यात्रा के बाद वैंकूवर के बंदरगाह पर लंगर डाला था। कार्नी ने बताया कि जहाज पर सवार सिख, मुस्लिम और हिंदू धर्मों के 376 लोग शरण और सम्मान की तलाश में यहां पहुंचे थे। कार्नी ने शुक्रवार को कोमागाटा मारू घटना की याद में एक बयान में कहा, ष्कनाडाई अधिकारियों ने बहिष्कार और भेदभावपूर्ण कानूनों का उपयोग करते हुए उन्हें प्रवेश देने से इनकार कर दिया।ष उनके कष्टों को याद करते हुए कार्नी ने कहा कि दो महीने तक यात्रियों को जहाज पर ही रोके रखा गया तथा उन्हें भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधा से वंचित रखा गया। उन्होंने कहा, जब उन्हें भारत लौटने के लिए मजबूर किया गया तो उनमें से कई को या तो जेल में डाल दिया गया या मार दिया गया। कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा, कोमागाटा मारू त्रासदी इस बात की स्पष्ट याद दिलाती है कि कैसे हमारे इतिहास के कुछ क्षणों में कनाडा उन मूल्यों से चूक गया जिन्हें हम प्रिय मानते हैं। कार्नी ने कहा, ''हम अतीत को फिर से नहीं लिख सकते, लेकिन हमें उसका सामना करना होगा; उद्देश्यपूर्ण तरीके से कार्य करना होगा, यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तरह के अन्याय कभी न दोहराए जाएं, और एक मजबूत भविष्य का निर्माण करना होगा जहां समावेशिता एक नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता हो – जिसे जिया जाए, अभ्यास में लाया जाए और जिसका बचाव किया जाए। कनाडाई पीएम ने कहा कि इस घटना की वर्षगांठ को स्मरण और विवेक की पुकार के रूप में मनाएं। अतीत का सम्मान करना हमें इस घटना से सीखनी है।

बलूच अमेरिकी कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम मोदी से बलूचिस्तान आंदोलन के लिए समर्थन मांगा, की यह अपील

बलूच अमेरिकी कांग्रेस के अध्यक्ष और बलूचिस्तान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री तारा चंद बलूच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर पाकिस्तान के प्रभुत्व के खिलाफ बलूच लोगों के राष्ट्रीय प्रतिरोध के लिए भारत के नैतिक, राजनीतिक और कूटनीतिक समर्थन का अनुरोध किया है। यह अपील बलूच अमेरिकी कांग्रेस की ओर से भेजे गए दो औपचारिक पत्रों के माध्यम से की गई, जो सीधे दिल्ली में प्रधानमंत्री कार्यालय को संबोधित थे। अपने पत्र में, चंद ने बलूचिस्तान मुद्दे पर भारतीय नेतृत्व के पहले ध्यान देने के लिए प्रशंसा व्यक्त की, विशेष रूप से लाल किले के भाषण के दौरान पीएम मोदी की टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए, जिसे वे नैतिक समर्थन के प्रदर्शन के रूप में देखते हैं जिसने वैश्विक स्तर पर उत्पीड़ित बलूच आबादी के बीच आशा को प्रेरित किया। डॉ. चंद ने कहा, ष्आपके लाल किले के संबोधन में बलूचिस्तान का जिक्र दुनिया भर के बलूच लोगों ने एक ऐसे राष्ट्र के लिए नैतिक समर्थन के संकेत के रूप में स्वीकार किया, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया है, उसे अपने अधीन कर लिया है और उसे आतंकित कर दिया है।ष पत्र में 1948 में अंग्रेजों के जाने के बाद बलूचिस्तान को पाकिस्तान में जबरन शामिल किए जाने के इतिहास का वर्णन किया गया है, जिसे डॉ. चंद ष्क्रूर कब्जेष की शुरुआत बताते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि बलूच लोगों को रावलपिंडी जीएचक्यू में पाकिस्तान के प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठान द्वारा समर्थित षजिहादी सेनाष द्वारा किए गए नरसंहार जैसे कृत्यों का सामना करना पड़ा है। पत्र में दावा किया गया है, ष्एक जिहादी सेना की ओर से शासित, यह खराब रूप से परिकल्पित देश मेरे हजारों देशवासियों के लापता होने, यातना, मृत्यु और विस्थापन के लिए जिम्मेदार है।ष उन्होंने जोर देकर कहा कि ये कार्रवाई बलूच राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन को दबाने के एक बड़े अभियान का हिस्सा है, जो कई दशकों से चल रहा है।

उन्होंने यह भी बताया कि एक औपनिवेशिक शक्ति के रूप में बलूचिस्तान में चीन की भागीदारी एक अतिरिक्त भू–राजनीतिक खतरा पेश करती है। तारा चंद ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा है कि बलूच राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन पर वैश्विक समुदाय का ध्यान नहीं है। उन्होंने कहा, ष्भारतीय मीडिया के अलावे, कब्जे वाले बलूचिस्तान में पाकिस्तान की आरे से किए गए अत्याचारों की बहुत कम चर्चा है।

नेपाल में सत्तारूढ़ सीपीएन–यूएमएल देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध: ओली

नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने कहा है कि सत्तारूढ़ सीपीएन–यूएमएल नागरिकों के अधिकारों और देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए अग्रिम मोर्चे पर रहेगी। ओली, जो सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी–लेनिनवादी) के अध्यक्ष भी हैं, ने शुक्रवार को पार्टी की युवा शाखा, राष्ट्रीय युवा

संघ के 10वें राष्ट्रीय आम सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे राजशाही की पुनः स्थापना का सपना न देखें क्योंकि उस व्यवस्था को नेपाली लोग पहले ही समाप्त कर चुके हैं। उन्होंने राजतंत्रवादियों से आह्वान किया कि वे "जब तक हम, राजतंत्र के खिलाफ लड़ने वाले लोग, जीवित हैं, तब तक यह स्वप्न न देखें।" प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी की युवा शाखा से ऐसे अवांछित प्रयासों को रोकने के लिए तैयारी के साथ आगे आने का आह्वान किया।

न्याय विभाग ने बोइंग को 737 मैक्स दुर्घटनाओं के मामले में अभियोजन से बचाने के लिए समझौता किया

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

अमेरिका के न्याय विभाग ने बोइंग के साथ एक समझौता किया है, जिसके तहत कंपनी को 737 मैक्स जेटलाइनर के बारे में नियामकों को कथित रूप से गुमराह करने के लिए आपराधिक मुकदमे से बचने में मदद मिलेगी। शुक्रवार को अदालत में दायर किए गए दस्तावेजों के अनुसार, दो विमानों के दुर्घटनाग्रस्त होने और 346 लोगों की मौत से पहले यह करार हुआ। न्याय विभाग ने अदालत में दाखिल एक दस्तावेज में कहा कि वह एक ''सैद्धांतिक समझौते'' पर पहुंच गया है जिसके तहत कंपनी को 1.1 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का भुगतान और निवेश करना होगा। बदले में, विभाग विमान निर्माता के खिलाफ आपराधिक मामला खारिज कर देगा। सौदे को अभी भी अंतिम रूप दिया जाना है।

परमाणु मुद्दे पर फिर करीब आए ईरान–अमेरिका, रोम में हुई पांचवें दौर की बातचीत

ईरानी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडलों ने रोम में पांचवें दौर की वार्ता पूरी की और तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर दशकों से चल रहे विवाद को सुलझाने के उद्देश्य से वार्ता में कुछ सीमित प्रगति के संकेत मिले। ईरान के यूरेनियम संवर्धन पर वार्ता से पहले वाशिंगटन और तेहरान दोनों ने सार्वजनिक रूप से कड़ा रुख अपनाया, लेकिन ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराक्ची ने कहा कि वार्ता के दौरान ओमान द्वारा कई प्रस्ताव रखे जाने के बाद प्रगति की संभावना है। अराकची ने सरकारी टीवी से कहा कि हमने अभी–अभी बातचीत के सबसे पेशेवर दौर में से एक पूरा किया है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।